वर्ष-12 , अंक-23 प्रयागराज, रविवार 16 जून 2024 से शनिवार 22 जून 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

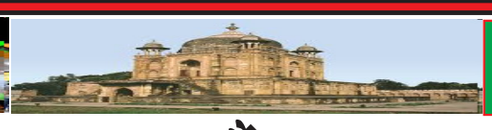

कुम्भ नगरी प्रयागराज

एनसीसी के बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बहुउद्देशीय हॉल में 67 सी टी आर एनसीसी कैंप के बालक वा बालिकाओं को प्रयागराज यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर कैंप कमांडेंट रविन्द्र खत्री बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पवन पाण्डेय जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय द्वारा बताया कि सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। खासकर साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित सफर करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। छात्रों को बताया गया कि कार चालक सीट बेल्ट वा दोपहिया चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सड़क किनारे लगे दिशासूचक बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते है जो बेहद खतरनाक है। और बच्चो के यातायत संबंधी प्रशनें के उत्तर के उत्तर भी दिए,उन्होंने बच्चो को गुड सेमिरिटन वा यातायात के दस स्वर्णिम सिद्धान्त के भी बारे में बताया।

इस कार्यशाला में एनसीसी के 450 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में कैप्टन केपी सिंह, मेजर डीपी गोस्वामी, लेफ्टिनेंट सुनील कुमार,समाजसेवी नितीश शुक्ल,प्रदीप दुबे, सतेन्द्र कुमार,राकेश कुमार,कमलेश कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

समर कैंप का समापन समारोह बड़े ही धूमधाम से कार्यक्रम के साथ संपन्न

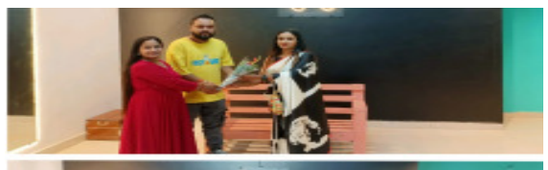

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । प्रयागराज नित्यशाला के तत्वाधान में चल रहे समर कैंप का समापन समारोह बड़े ही धूमधाम से कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ । चल रहे समर कैंप में डांस जुंबा और आर्ट, क्राफ्ट ,गिटार ताइक्वांडो, म्यूजिक सिंगिंग ,सिखाया गया।अतिथि श्रीमती श्वेता साहू स्टेट सेक्रेटरी द जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सभी बच्चों को और टीचर्स को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। संस्था की सचिव नेहा नित्या जी द्वारा और डायरेक्टर निखिल कुमार जी के द्वारा अतिथि को बुके देकर सम्मान दिया गया और आए हुए मीडिया भाइयों को भी नेहा जी द्वारा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

नवनिर्वाचित सांसद ने जन अधिकार पार्टी के गोष्ठी को किया सम्बोधित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। गुरुवार को जन अधिकार पार्टी द्वारा लोकसभा 80 रॉबर्ट्सगंज के इंडिया गठबंधन से नवनिर्वाचित सांसद श्री छोटेलाल सिंह खरवार जी का सिचाई डाक बंगला रॉबर्ट्सगंज में स्वागत किया गया इस दौरान नवनिर्वाचित सांसद का जन अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओ ने फूल माला से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया । नवनिर्वाचित सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओ को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पिछले दिनों सम्पनन हुए लोकसभा चुनाव में जन अधिकार पार्टी का लोकसभा रॉबर्ट्सगंज के साथ पूरे उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने में अहम भूमिका रही है जिसकी चाहे जितना सराहना किया जाए कम होगा, आने वाले 2027 के विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन कि भारी बहुमत के साथ सरकार बनेगी जिसकी तैयारी में अभी से लग जाने की जरूरत है आगे सांसद जी ने कहा कि जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओ के मान- सम्मान पर कभी आंच नही आने दूंगा । जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि जन जन अधिकार पार्टी एक आंदोलन का नाम है पार्टी के मुखिया बाबू सिंह कुशवाहा जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी , गरीब हो या हो धनवान सबको शिक्षा एक समान के साथ जाती जनगणना की मांग करते रहे है अब इंडिया गठबंधन भी अपने घोषणा पत्र में शामिल कर लोकसभा चुनाव लडने का काम किया जो जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओ की बडी जीत है । वाराणसी मण्डल प्रभारी सुमन्त सिंह मौर्य एवं वरिष्ठ नेता डॉ0 भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी छोटेलाल सिंह खरवार की जीत जनता की जीत है इस जीत से सोनभद्र वासियो को निश्चित रूप से न्याय मिलेगा । स्वागत समारोह को हिदुआरी जिला पंचायत सदस्य मालती देवी मधुपुर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अजित भारती वाराणसी मण्डल अध्यक्ष रामचन्द्र त्यागी उपाध्यक्ष वशिष्ठ मौर्य, समृद्धि कुशवाहा, रानी सिंह, किरण कुशवाहा श्रीपति विश्वकर्मा, लक्ष्मण सिंह , मंगला प्रसाद, चन्द्रमा सिंह, राजकुमार , सुनील कुमार , विनोद कुमार , प्रशांत भारती, मो0 आमीन, डॉ0 जय सिंह , बलिराम प्रधान, आशीष मौर्य, रामराज बिंद, तेजबली चन्द्रवंशी,आरती मौर्य, कुशुम मौर्य, निरंजन कुमार, वंशीलाल, अनुरुद्ध सिंह, अनिल सिंह सहित सैकडो कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य एवं संचालन रविरंजन शाक्य ने किया ।

जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ़। माननीय जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना तिवारी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का स्थलीय निरीक्षण कर बंदियों की समस्याओं को सुना एवं जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिला कारागार में जिला जज ने महिला बन्दी बैरक में बने सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया। महिला बैरक कक्ष का निरीक्षण कर विचाराधीन महिला बन्दियों से जानकारी प्राप्त की गयी एवं वहां पर उपस्थित महिला बन्दियां के बच्चों को खाने की सामग्री दी गयी। उसके उपरान्त जिला जज, डीएम व अन्य सम्बन्धित द्वारा पुस्तकालय का निरीक्षण कर वहां पर रखी हुई पुस्तकों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बालचक्र के निरीक्षण में निरूद्ध किशोर बन्दियों से मिलकर उनके अपराध और उनकी आयु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। जिला कारागार में बने अस्पताल के निरीक्षण में 09 मरीज भर्ती थे जिनके स्वास्थ्य एवं दवाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। पाकशाला का निरीक्षण किया गया एवं वहां पर भोजन की गुणवत्ता को देखा गया।

जनपद न्यायाधीश द्वारा जेल में कार्यरत पीएलवी से उनके कार्यो के बारे में जानकारी ली गयी। उसके उपरान्त बैरकों का भी निरीक्षण किया गया एवं कैदियों से घटना के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। जिला कारागार के निरीक्षण में किसी बन्दी के पास कोई आपत्तिजनक वस्तुयें बरामद नही हुई। जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि आज कुल 849 बन्दी जेल में निरूद्ध है जिसमें 187 सिद्धदोष बन्दी तथा 662 विचाराधीन है। इसी प्रकार जिला कारागार में कन्ट्रोल रूम कक्ष, लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दोरान जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी, जेलर अजय कुमार, चिकित्साधिकारी प्रवीण रंजन, डिप्टी जेलर आफताब अहमद अंसारी, ध्रुव नारायण, शारदा देवी, फार्मासिस्ट केसरी नन्दन उपस्थित रहे।

इंडिया गठबंधन के सांसद छोटेलाल खरवार का जोरदार किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। गुरुवार को समाजवादी पार्टी द्वारा जोरदार स्वागत किया गया जिसकी अध्यक्षता राम निहोर यादव

कार्यालय पर इंडिया गठबंधन के सांसद छोटेलाल खरवार का समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा माला पहनकर एक-एक कार्यकर्ताओं ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन के एक-एक कार्यकर्ता एवं आम जनता के संघर्ष के कारण आज जनपद सोनभद्र से इंडिया गठबंधन का सांसद छोटेलाल खरवार निर्वाचित हुए हैं त् इंडिया गठबंधन एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नीतियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की देन है त् सोनभद्र के कोने-कोने से आए एक एक कार्यकर्ताओं का हम आभार व्यक्त करते है स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि इंडियात गठबंधन के कार्यकर्ताओं एवं आम जनमानस की मेहनत ही हमे इस मुकाम तक पहुंचाने का काम किया है इसलिए हम इंडिया गठबंधन एवं आम जनमानस का आभार प्रकट करता हूं और हम यह संकल्प लेता हूं कि इंडिया गठबंधन के एक-एक कार्यकर्ताओं के हित की लड़ाई संसद तक उठाने का काम करेंगे और हमेशा उनके दुख दर्द में शामिल होंगे कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे मनू पांडे रमेश गौतम सुरेश कोल वेदमानी शुक्ला राम भरोसे सिंह पटेल चौधरी यशवंत सिंह पटेल महिला सभा अध्यक्ष गीता गौर परमेश्वर दयाल सुनील श्याम बिहारी यादव विजय यादव अनिल कुमार यादव राम प्यारे सिंह पटेल लोकपति सिंह पटेल अशोक पटेल विजय शंकर जायसवाल रमाशंकर यादव अनिल प्रधान रमेश कुमार वर्मा प्रकाश यादव शिवनारायण चौहान भोलानाथ निषाद त्रिपुरारी नाम और कुशवाहा सनी पटेल विमलेश पटेल राम नारायण गॉड रामेश्वर राय पटेल अमर खरवार राजेश विश्वकर्मा जितेंद्र सुरेश लाल किरण कुशवाहा रामजतन प्रजापति जुल्फिकार रवि इजहार अली कुमारी मंदाकिनी पांडे कुमारी निधि पांडे साबिर हुसैन अंजनी छोटेलाल योगेंद्र समर सिंह दुर्गेश अमरेश प्रजापति महेंद्र श्याम बिहारी जायसवाल सूरज चौरसिया चांदनी पासवान फुलवंती गौड़ जयप्रकाश रविंद्र नाथ शेरो मनू पांडे कैलाश मुस्तफा देवचरण सिंह विधायक उल्ला खान बरकत अली जगदीश ओम प्रकाश रुखसाना खानम बाबूलाल यादव आनंद खरवार परमेश्वर यादव अवध नारायण यादव ज्योतिष गौतम पवन पटेल सत्यम पांडे ए फारूक अली कृपा शंकर चौहान काजू अग्रहरि परशुराम राजकुमार रमेश बागी प्रेम सिंह पटेल पार ब्रह्म सिंह रमजान अली अजय कुमार पारस विनीत सुनील मोहम्मद ताहिर गौस मोहम्मद शंभू संतोष बैसवार चंद्रभूषण जय प्रकाश मौर्य मनी चंद्र कनौजिया संजय अभिषेक प्रजापति संतोष पासवान मोतीलाल दिनेश कुमार नंदकुमार खरवार के साथ जॉन एवं सेक्टर और बूथ के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

मिर्ज़ापुर

यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा दिये गये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर । यातायात शाखा जनपद मीरजापुर निदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम मे चालाये जा रहे विशेष अभियान लाल/नीली बत्ती व हूटर सायरन का अवैध प्रयोग तथा दो पहिया वाहन/चार पहियां वाहनों पर पुलिस कलर्स/ उत्तर प्रदेश सरकार के अवैध प्रयोग के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ठअभिनन्दनठ के मार्गदर्शन में आज दिनांक-14.06.2024 को जनपद के विभिनन स्थानों पर चेकिंग अभियान चालाया गया, जिसके अन्तर्गत दोषी पाये गये वाहनों पर कुल 148 वाहनों से 2,22,000/-रूपये का ई-चालान कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की गयी। आमजनमानस को लाल-नीली बत्ती/हूटर सायरन तथा दो पहिया वाहन/चार पहिया पर पुलिस कलर्स/ उत्तर प्रदेश सरकार के अवैध प्रयोग के प्रति जागरूक किया किया गया। प्रायः देखा जा रहा है कि लाल नीली बत्ती/ हूटर सायरन के अवैध प्रयोग आदि के कारण सड़को पर अनायास अव्यवस्था का माहौल उत्पनन हो जाता है, जिसके क्रम मे आगे भी ये अभियान निरंतर जारी रहेगा और लाल/नीली बत्ती/हूटर सायरन व दो पहिया वाहन/चार पहिया वाहनों पर पुलिस कलर्स/ उत्तर प्रदेश सरकार के अवैध तरीके से प्रयोग कर रहे वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित करायी जायेगी।

लालगंज एसडीएम की कार्यवाई से मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। सरकारी चक मार्ग एवं अन्य भूमि पर अवैध खनन करने वाले खननकर्ता अमित केसरवानी निवासी गलरा पर खनन अधिनियम छ्ण् एवं लोक सम्पति क्षति निवारण अधिनियम की गंभीर धाराओं में थाना ड्रमंडगंज में मुकदमा दर्ज किया गया। एसडीएम लालगंज गुलाबचंद के निर्देश पर पुलिस एवं राजस्व की टीम लगातार दबिश दे रहीं थी।अमित केसरवानी के द्वारा रात्रि में अवैध खनन किया जा रहा था। जिसके क्रम में दो दिन पूर्व एसडीएम लालगंज के निर्देश पर गए लेखपाल संजीव उपाध्याय से अवैध खनन कर्ता द्वारा अभद्रता की गयी एवं खनन गतिविधियां न रोके जाने पर। एसडीएम लालगंज ने अवैध खनन कर्ता पर मुकदमा दर्ज कराया। एसडीएम लालगंज गुलाब चन्द्र के आदेश पर थाना प्रभारी ड्रमंडगंज अरविंद सरोज के द्वारा छ्ण् 1860 की धारा 332 353 .लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 2/3 एवं खान अधिनियम 1952 की धारा 4/21 में मुकदमा दर्ज किया गया। लालगंज एसडीएम ने अवगत कराया की एरिया में अवैध खनन के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी, ळँ मशीन जब्त की जाएंगी,भारी जुर्माना की वसूली की जाएगी, खनन निरीक्षक एवं राजस्व व पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रहीं है। अवैध खनन करते पकड़े जाने पर दर्ज होगा मुकदमा.रात्रि में भी निगरानी रखी जा रहीं है यदि अवैध खनन करते पकड़े गए तो मुकदमा तुरंत दर्ज कराया जायेगा जेसीबी जब्त होगी एवं भारी जुर्माना राशि की वसूली की जाएगी। यह कार्यवाही जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के आदेश पर व एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ल द्वारा के द्वारा लगातार कार्रवाई के निर्देश की गयी।

खडी टेलर के पिछे कोयला लोड टेलर ने मारी टक्कर चालक केबिन में फंसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के लंगड़ा मोड दाढ़ी बाबा के तरफ जा रही ट्रेलर अनियंत्रित होकर पहले से खड़ी ट्रेलर में जाकर धक्का मार दिया जिसके उपरांत

होटल के सामने बारी डाला खड़ी टेलर में पिछे दुसरा ट्रेलर अनियंत्रित होकर धक्का मारते हुए घुस गई, बामुश्किल ट्रेलर के कैंबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला गया मिली जानकारी के अनुसार आज शुक्रवार को सुबह लगभग 10:45 बजे डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के लंगड़ा मोड के पास अनपरा से कोयला लोड कर चोपन कोयला लोड ट्रेलर चालक सुरेश जोगी उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी दोसा राजस्थान फंस गया जहां स्थानीय लोगों ने बामुश्किल चालक केविन से बाहर निकलवाते हुए घायल चालक को चोपन अस्पताल भेजवाया गया वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस व एसीपी पेट्रोलिंग टीम मौजूद रही।

पकड़े गए मुख्य हत्यारोपी, बाल बाल बचे साजिश से भाजपा नेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर ।ग्राम प्रधान ने अपने साथियो के साथ मिलकर कराई थी पंचायत

मित्र की हत्या, बोलेरो से टक्कर मार कर की गई थी पंचायत मित्र की हत्या, ग्राम सभा मे मनरेगा योजना में अनैतिक कार्य विरोध कर रहा था पंचायत मित्र, पहले भी ग्राम प्रधान और पंचायत मित्र में हो चुकी थी कहासुनी, योजना बनाकर हाइवे पर मारा गया था पंचायत मित्र के मोटरसाइकल में टक्कर, मामले में परिजनों की तहरीर पर पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष बालेंदु मणि त्रिपाठी समेत 5 बीजेपी नेताओं पर दर्ज हो गया था मुकदमा, बीजेपी नेताओ के विरोध के बाद शुरू हुई मामले की जांच, शुरुवाती जांच में ही पकड़े गए मुख्य आरोपी, पुलिस 5 आरोपियों को पकड़ कर भेजा जेल, प्रेस कांफ्रेंस कर किया खुलासा, लालगंज थाना क्षेत्र के पतुलखि का मामला ।

खरीफ रोपाई के लिए उपलब्ध कराए पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। मीरजापुर 13 जून, 2024- जनपद में खरीफ सीजन के लिए

किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने वेा दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कृषि विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ खरीफ फसल की सिंचाई हेतु रोस्टर एवं बांध में जल स्तर की कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लाक बार खरीफ की रोपाई एवं पानी की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की गई। बैठक में उपनिदेशक कृषि डॉ विकेश पटेल ने जिलाधिकारी को बताया कि जनपद में सामान्यतः 20 से 22 जून 2024 तक नर्सरी की बुवाई एवं 10 जुलाई से 25 जुलाई 2024 तक धान की रोपाई की जाती है। जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता लघु डाल मीरजापुर एवं सिरसी प्रखंड चुनार को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त समयानुसार खरीफ फसल के लिए पानी की उपलब्धता बनाए रखी जाए तथा नहरों के संचालन के लिए रोस्टर की जानकारी किसानों को भी पहले से दी जाए।

सोनभद्र

खुले में ना हो कोई कुर्बानी-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं ईद उल अजहा बकरीद के संबंध में बैठक का किया गया आयोजन वही त्यौहारों

में कोई नई परंपरा एवं प्रतिबंधित पशु की नहीं दी जाए कुर्बानी-जिलाधिकारी वही कुर्बानी के बाद कोई भी अवशेष खुले में ना डाले जाएं-जिलाधिकारी त्यौहार के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन की रहेगी पैनी नजर-पुलिस अधीक्षक जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं ईद उल अजहा बकरीद के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के धार्मिक गुरुओं, प्रबुद्धजनों एवं संभ्रान्त नागरिकों से सीधा संवाद कर आगामी त्यौहारों पर आपसी सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार में किसी प्रकार की नई परंपरा ना डाली जाए, उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी ना दी जाए, तथा कोई भी कुर्बानी खुले में ना हो। जिलाधिकारी ने समस्त धर्म गुरुओं से अपील करते हुए कहा कि लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करें जिससे त्यौहार शांतिपूर्ण रूप से संपनन हो। जिलाधिकारी ने समस्त धर्म गुरुओं से कहा कि कुर्बानी के उपरांत कोई भी अवशेष खुले में नहीं डाला जाए, बकरीद के त्यौहार को परंपरागत रूप से मनाये जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शांति-सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। त्यौहार में मुस्लिम समुदाय द्वारा ईदगाहों, मस्जिदों में नमाज अदा की जाती है तथा परंपरागत रूप से निश्चित स्थलों पर कुर्बानी दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस दौरान संबंधित अधिशासी अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मस्जिद, नमाज स्थलों के आसपास विशेष सफाई कराकर चूने का छिड्काव कराना सुनिश्चित करें, जलापूर्ति की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। कुर्बानी के पश्चात अवशेष को उचित स्थान पर पर्याप्त संख्या में गहरा गड्ढा खुदवाकर उसमें ब्लीचिंग, नमक तथा चूना डालकर उचित तरीके से ढकवा कर निस्तारण कराना सुनिश्चित करें,उन्होंने कहा कि समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थाना अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रो में यह सुनिश्चित करेंगे कि कुर्बानी पूर्व से निर्धारित परंपरागत स्थलों पर ही की जाए, किसी भी दशा में खुले में कोई कुर्बानी नहीं की जाए। उक्त त्यौहार पर कोई नई परंपरा की कायम नहीं की जाए। इसके अनुपालन में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश देते हुए कहा कि नमाज के मुख्य मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कराकर जर्जर विद्युत तारों को समय रहते दुरुस्त करना सुनिश्चित करें तथा त्यौहार के समय विद्युत आपूर्ति निर्वाध संचालित रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गई है वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए त्यौहार को सकुशल संपनन कराने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें, इन कार्यों में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में अपने स्तर से एक बैठक बुलाकर धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत लोगों के साथ त्यौहार को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा कर ले। पुलिस अधीक्षक ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत लोगों से संवाद करते हुए कहा कि त्यौहार में कोई नई परंपरा ना डाली जाए एवं प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी प्रत्येक दशा में प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नमाज एवं कुर्बानी के समय के विषय में लोगों को जागरूक करें जिससे कुर्बानी समय से की जाए। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी,प्रभारी निरीक्षक,थाना अध्यक्ष को निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहार के दौरान अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहते हुए शांति व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखें, जिससे किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न होने पाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि समस्त थाना अध्यक्ष अवशेषों के निस्तारण चिन्हित स्थान का भी निरीक्षण कर लें। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसी प्रकार की लापरवाही संज्ञान में ना आए एवं साफ सफाई की विशेष व्यवस्था रहे। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, उप जिलाधिकारी दुद्धी सुरेश राय, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारीगण, धर्मगुरु एवं संभ्रांत नागरिकगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहें।

गंगा दशहरा व बकरीद त्यौहार के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। मीरजापुर 13 जून, 2024- आगामी गंगा दशहरा व ईद-उल-जुहा (बकरीद) त्यौहार को जनपद में शान्तिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ सम्पनन कराए जाने के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में दोनो समुदायो के धार्मिक

गुरू व गणमान्य लोगो के अलावा पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में प्रत्येक थानाध्यक्ष के द्वारा अपने-अपने क्षेत्रो के बारे में सम्पनन होने वाले त्यौहारो के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर विभिनन थानो से आए मुस्लिम व हिन्दू धर्म गुरूओ व गणमान्य व्यक्तियो के द्वारा बताए गए सुझावो व समस्याओं को अमल करते हुये जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि जनपद मीरजापुर हमेशा से गंगा जमुनी तहजीब के रूप में जाना जाता है, आगे भी सभी से अपील की जाती है कि शान्तिपूर्ण ढंग से त्यौहार को सम्पनन कराने के लिये आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाए। उन्होनें सभी उप जिला मजिस्ट्रेटो व पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर नमाज अदा करने के स्थल व ईदगाह के आस पास बेहतर साफ सफाई, पेयजल, नगरीय क्षेत्रो में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्रो में ग्राम पंचायतो के द्वारा नालियों की सफाई सुनिश्चित कराया जाए। उन्होने कहा कि ऐसे स्थलो को भी चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जाए, जहां पर सामूहिक रूप से कुर्बानी दी जाती हो, कुर्बानी दिये जाने वाले स्थलो पर गढ्ढा खोदकर अपशिष्ट को वहीं ढक दिया जाए, ताकि इधर-उधर बिखरने न पाए। उन्होनें यह भी कहा कि प्रतिबन्धित पशुओ की कुर्बानी किसी भी दशा में न की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परम्परागत ढंग से चली आ रही व्यवस्थाओं के अतिरिक्त नई स्थलो पर कोई भी कार्य करने से पूर्व सम्बन्धित थाना व तहसील से सूचित करते हुये अनुमति अवश्य ली जाए। उन्होने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद चुनार, अहरौरा, नगर पंचायत कछंवा तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्रो में सफाई, प्रकाश एवं पेयजल का दायित्व सुनिश्चित करेंगे। अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया कि त्यौहारो पर विद्युत आपूर्ति बनाए रखे। उन्होने उप जिला मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने चिन्हित स्थलो पर तहसीलदार, नायाब तहसीलदार आदि की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी चिकित्सको व अन्य स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के साथ ही एम्बुलेंस की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे। जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा त्यौहार की चर्चा करते हुये कहा कि गंगा घाटो/अन्य घाटो पर जहां सनन होते है, पर्याप्त मात्रा में बैरीकेटिंग तथा आवश्यकतानुसार जाली भी लगाया जाए तथा बच्चों व अन्य सननाथियो को गहरे पानी में न जाए जागरूकता हेतु साइन बोर्ड भी लगाए जाए। उपरोक्त दोनो त्यौहारो के दृष्टिगत पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा व्यवस्था हेतु आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने कहा कि जनपद का गौरवशाली इतिहास रहा है कि अमन चैन भाई चारे के साथ हमेशा सभी के द्वारा मिल जुलकर त्यौहार मानाया जाता रहा है। उन्होने सभी गणमान्य व्यक्तियों व अधिकारियों से भी अपील करते हुये कहा कि किसी भी छोटे से छोट विवाद को गम्भीरता पूर्वक लेते हुये उसका तत्काल निदान कराया जाए। प्रायः कतिपय अराजक तत्वो वेा द्वारा सोशल मीडिया पर अनावश्यक अफवाह फैलाया जाता है किसी के द्वारा बिना जाने समझे सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो अथवा अन्य कोई सामाग्री को आगे न बढ़ाया जाए यदि ऐसा कही किसी व्हाटसएप आता है तो सम्बन्धित थाने पर सूचित कराया जाए अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होनें कहा कि खुले में कुर्बानी न हो किसी भी पब्लिक स्थल पर कोई भी धार्मिका कार्य न किया जाए। कुर्बानी के उपरान्त अवशेष अपशिष्ट को सुरक्षित ले जाया जाए, ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, अफवाहो से दूर रहे, शान्ति भंग करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इव अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, नक्सल ओम प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आसाराम वर्मा, चुनार राजेश वर्मा, मड़िहान युगांतर त्रिपाठी, लालगंज गुलाब चन्द्र, सभी क्षेत्राधिकारी के अलावा धार्मिक गुरू उपस्थित रहें।

विश्व रक्तदान दिवस पर लोगों ने किया ब्लड डोनेट जताया हर्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शुक्रवार को रावटसगंज नगर स्थित साईं अस्पताल परिसर में विश्व रक्त दान दिवस के दिन अपने हॉस्पिटल में रक्त दान शिविर

आयोजित हुआ वही राजन सोनी ड्यूटी इंचार्ज साईं हॉस्पिटल के नेतृत्व में दर्जनों डोनेट कर्ताओं ने किया ब्लड डोनेट वही डायरेक्टर डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि को विश्व रक्तदान दिवस साईं हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दर्जनों लोगो ने सहभागिता निभाया। डॉ अनुपम सिंह ने बताया कि लोगों की जिंदगियां को बचाने का एकमात्र साधन गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों से बचाव वह युवाओं के नई ऊर्जा नई शक्ति के लिए एक आवश्यक जिससे लोग पर चढ़कर इसमें भागीदारी करते है और गरीब असहाय लोगों के लिए वरदान साबित होते है उनके ब्लड डोनेट से कई लोगों की जिंदगियां बस्ती है या अभियान निरंतर जिला प्रशासन के नेतृत्व में भी कराया जाता है जिससे आम जनमानस को उसका लाभ मिल सके।हॉस्पिटल की प्रबन्धक डाक्टर अनुपमा सिंह जी के द्वारा यह बताया गया कि रक्तदान करने से कई तरह की बीमारी से फायदा मिलता है। जैसे शरीर में आयरन के स्तर पर रोक बनाए रखने में मदद करता है। शह्रदय रोग के जोखि.म को भी कम करता है। आप सभी रक्तदान करें और जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाकर पुण्य के भागी बने। तथा आज के कार्यक्रम में साई हॉस्पिटल के ड्यूटी इंचार्ज राजन सोनी जी व बी0पी सिंह तथा अन्य लोगों ने रक्तदान किया तथा लोगों को भी जागरूक किया कि रक्तदान करने के फायदे के बारे में बताएं।

ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को नगमा ब्लॉक स्थित बलियारी गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए 15 दिनों से पानी सप्लाई बंद होने पर जताया आक्रोश सोपे ज्ञापन बुलंद की आवाज। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बीते 15 दिनों से स्थित पानी टंकी में द्वारा पानी सप्लाई बंद है वहीं ग्राम प्रधान को इस मामले से अवगत कराया गया इसके बावजूद भी टैंकर से ग्राम प्रधान पानी सप्लाई नहीं कर रहे है जिससे कि गांव में पीने के लिए पानी वह नहाने के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है काफी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है कई किलोमीटर दूर से किसी तरह ग्रामीण वहां द्वारा पानी लाकर जी कोपार्जन कर रहे है वहीं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए जल्द से जल्द पानी सप्लाई करने की गुहार लगाई इस मौके पर संदीप कुमार, सुनील कुमार रमाशंकर शैलेंद्र कमलेश बांसवा खरवार जिला जीत सहित आदि लोग मौजूद रहे।

जिले में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ डीएम को सौप पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी द्वारा जिले में बढ़ते प्रदूषण के रोकथाम को लेकर की आवाज बुलाओ अपने विभिनन मांग पत्रों सहित डीएम को सौप पत्र। वही दशाराम यादव जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ

सोनभद्र ने बताया कि पर्यावरण प्रदुषण की समस्या भारत ही नहीं पूरे विश्व में एक गंभीर समस्या बनी हुई है। प्रदुषण के कारण मनुष्य को कई प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। वर्तमान में पेड़ों की कटाई काफी बढ़ गई है, पर उसकी तुलना में वृक्षारोपड कम हो रहा है. इस कारण वातावरण का तापमान पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बढ़ गया, इससे कई प्रकार की समस्या आई। सही प्रकार से जल संरक्षण न हो पाने के कारण भूगभिय जल स्तर नीचे जाने लगा है। इससे कई स्थानों पर पानी की समस्या बढ़ने लगी है।वही भारतीय मजदूर संघ इस ज्ञापन के माध्यम से आपसे यह मांग करता है कि जिले में होने वाले सभी प्रकार के प्रदुषणों पर विशेष ध्यान देते हुए इसके रोकथाम हेतु तत्काल उपाय किये जाय, साथ ही निमनबिंदुओ पर विशेष ध्यान दिया जाय। 1. वायु प्रदुषण पर विशेष ध्यान दिया जाय, एवं इसे कम करने हेतु उचित उपाय किया जाय, जिससे लोगो के स्वास्थ्य पर असर न हो, साथ ही सभी प्रमुख शहरों के प्रमुख स्थलों पर प्रदुषण का स्तर दर्शाने वाला इलेक्ट्रानिक बोर्ड लगवाया जाय। 2. नदी, नालो के पानी को पदुषित होने से बचाने हेतु उचित उपाय किया जाय। 3. अनावश्यक पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई जाय, एवं वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दिया जाय। 4. सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामानों की बिक्री पर तुरंत रोक लगाई जाय। 5. जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए सभी सरकारी एवं निजी आवास, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों के कार्यालयों में रूफटाप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से वर्षा के जल को भू-जल में रिचार्ज करने की नियमानुसार व्यवस्था की जाय। 6. शहरों से निकलने वाले कचड़ों के प्रबंधन की नियमानुसार उचित व्यवस्था की जाये। 7. ज्यादा प्रदुषण फैलाने वाले उद्योगों पर कड़ी कार्यवाही की जाय। 8. ध्वनी प्रदुषण से स्वास्थ्य पर कई प्रकार की समस्या आ रही है. इसके रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाय। 9. औडी मोड़ से शक्तिनगर फोरलेन सड़क बनी हुयी है परन्तु जाम होने से हमेशा दुर्घाटना होता रहा है जिसको दूर किया जाय। 10. एन0सी0एल0, कृष्णशिला, बीना, ककरी, खड.िया परियोजना में भारी मात्रा में कोयले की ट्रान्सपोर्टिंग होती है कई राज्यो और परियाजनाओं की गाड़ीया यहां चलती है परन्तु एन0सी0एल0द्वारा कही गाड.ियो को खड़ा करने का पार्किंग नही बनाया गया है। जिससे गाड.िया रोड पर खड़ी रहती हैं। जिससे दुर्घटना होती है एन0सी0एल0 परियोजना द्वारा गाडियो को खड़ा करने के लिए अविलम्ब पार्किंग बनाया जाय। जिससे दुर्घटना पर रोक लग सके। 11. शक्तिनगर से वाराणसी रोड पर कई परियोजनाओं द्वारा राख की ट्रान्सपोर्टिंग होती है जो रोड के दोनो साइड में राख गिरा देते है जिसको उठाते नहीं है जिससे पर्यावारण दूषित हो रहा है। इस पर प्रशासनीक अंकुश लगाया जाय।12. जनपद के हर क्षेत्र में जंगल में प्रतिवर्ष गर्मी के महिने में आग लग जाती है जिससे छोटे पेड जल के नष्ट हो जाते है उस पर रोक लगाया जाय।वही भा0म0सं0आपसे अपेक्षा करता है कि उक्त सभी बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देते हुए प्रदुषण (वायु, जल, ध्वनी) के रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय जिससे पर्यावरण प्रदुषण की समस्याओं से बचा जा सके। ज्ञापन सौपने वालों में रामबली यादव भारतीय मजदूर संघ जिला उपाध्यक्ष सोनभद्र और रोहित कुमार सीताराम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मृतक आश्रित में नियुक्त 07 सफाई कर्मियो को जिलाधिकारी ने सौपा नियुक्ति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। मीरजापुर 13 जून, 2024- जिला पंचायत अधिकारी कार्यालय के अधीन विभिनन स्थलो पर तैनात 07 सफाई कमिच्यो के मृत्युपरान्त उनके आश्रितो को भरण-पोषण हेतु मृतक आश्रित पर नियुक्ति प्रदान की गई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में मृतक आश्रित पद पर नियुक्ति श्रीमती रेखा देवी पतने स्व0 सुभाष कुमार सेठ, श्रीमती सोनाली कुमार पतने स्व0 विनोद आनंद, श्रीमती रूबी अंसारी पतने स्व0 मजहर अली, श्रीमती शीला देवी पतने स्व0 राधेश्याम चन्द्र, श्रीमती लीलावती देवी पतने स्व0 अशोक कुमार, श्री ऋषभ सिंह गोड़ पुत्र स्व0 प्रियंक कुमार गोड़ एवं श्री दुर्गेश कुमार पुत्र स्व0 शान्ति देवी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका का बड़ा एक्शन

वॉशिंगटन। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी सेना ने बड़ा एक्शन लिया है। यमन में पिछले 24 घंटे में अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों के सात रडार, एक ड्रोन और दो बिना चालक दल वाले जहाजों को नष्ट किया है। बता दें कि हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों को लगातार निशाना बना रहे हैं। दो दिन पहले ग्रीक के एक जहाज पर हूती विद्रोहियों ने हमला किया था। अमेरिका ने यह कदम

इस हमले के बाद उठाया है। लाल सागर में लगातार वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने वाले हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने बड़ा हमला बोला है। पिछले 24 घंटे में अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के रडार और ड्रोन को निशाना बनाया है। बता दें कि दो दिन पहले ही हूती विद्रोहियों ने ग्रीक के एक जहाज को निशाना बनाया था। इसके बाद ही अमेरिका ने एक्शन लिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर लिखा कि यह रडार हूती विद्रोहियों को समुद्री जहाजों को निशाना बनाने और वाणिज्यिक शिपिंग को खतरे में डालने में मदद पहुंचाते थे। हाल ही में हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के नौ कर्मियों को भी बंदी बना लिया था। ये सभी कर्मी यमन के ही रहने वाले हैं। बंदियों में एक विशेष दूत और महिला भी शामिल है। बता दें कि गाजा में इजरायली हमले के खिलाफ पिछले सात महीने से हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

जी-7 सम्मेलन के आउटरीज सत्र में पीएम मोदी का बड़ा बयान

इटली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को प्रौद्योगिकी में एकाधिकार को समाप्त करने का आह्वान किया और कहा कि समावेशी समाज की नींव रखने के लिए इसे रचनात्मक बनाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाना हमारा संकल्प है और यह हमारी प्रतिबद्धता है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे नहीं छूटना चाहिए।इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 सम्मेलन के आउटरीज सत्र में मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश दुनियाभर में अनिश्चितताओं और तनावों का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व मंच पर रखना अपनी जिम्मेदारी समझी है। उन्होंने प्रौद्योगिकी में एकाधिकार समाप्त करने के महत्व पर विस्तार से बात की।

300 महिला विज्ञानिकों को शोध के लिए मिलेगा अनुदान', जितेंद्र सिंह ने की डीएसआईआर की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सीएसआईआर-एएसपीआईआरई योजना के तहत 300 महिला वैज्ञानिकों को तीन वर्ष शोध करने के लिए अनुदान दिया जाएगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सीएसआईआर-एएसपीआईआरई योजना के तहत 300 महिला वैज्ञानिकों को तीन वर्ष शोध करने के लिए अनुदान दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएसआईआर-एएसपीआईआरई योजना के तहत लगभग 3000 प्रस्ताव मिले हैं। यह महिला वैज्ञानिकों को समर्थन देने के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस प्रयास से विभिनन क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा मिलेगा। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में इनोवेशन का उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना है।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 4.4 प्रतिशत बढ़कर 1.37 करोड़ हुई, अकासा एयर सबसे ऊपर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मई में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 4.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.37 करोड़ हो गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा जनवरी-मई 2024 के दौरान घरेलू विमानन कंपनियों द्वारा ले जाए गए यात्रियों की संख्या 661.42 लाख थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह संख्या 636.07 लाख थी। आंकड़ों पर गौर करें तो समय पर प्रदर्शन के मामले में अकासा एयर 85.9 प्रतिशत के साथ सूची में सबसे ऊपर है इसके बाद विस्तारा (81.9 प्रतिशत) इंडिगो (72.8 प्रतिशत) एयर इंडिया (68.4 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (60.7 प्रतिशत) है। पिछले महीने इडिगो की बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 61.6 प्रतिशत रही जबकि एयर इंडिया की हिस्सेदारी अप्रैल में 14.2 प्रतिशत से घटकर मई में 13.7 प्रतिशत रह गई। आंकड़ों पर गौर करें तो समय पर प्रदर्शन के मामले में अकासा एयर 85.9 प्रतिशत के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद विस्तारा (81.9 प्रतिशत), एआइएक्स कनेक्ट (74.9 प्रतिशत), इंडिगो (72.8 प्रतिशत), एयर इंडिया (68.4 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (60.7 प्रतिशत) है। पिछले महीने इडिगो की बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 61.6 प्रतिशत रही जबकि एयर इंडिया की हिस्सेदारी अप्रैल में 14.2 प्रतिशत से घटकर मई में 13.7 प्रतिशत रह गई।

रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में होने लगी बढ़ोतरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एक बार फिर से रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में बढ़ोतरी शुरू हो गई है जो रोजगार सृजन के लिए अच्छी खबर है। रोजगारपरक सेक्टर की मदद से मई माह में वस्तुओं के कुल निर्यात में पिछले साल मई के मुकाबले 9.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं इस अवधि में वस्तुओं के आयात में 7.71 प्रतिशत का इजाफा रहा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में लगातार दूसरे महीने वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी हुई है। इस प्रकार मई में व्यापार घाटा 23.8 अरब डॉलर से अधिक का रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि आने वाले महीनों में भी निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा क्योंकि अधिकतर विकसित देशों में महंगाई कम हुई है और उन देशों से मांग निकल रही है। विश्व व्यापार संगठन ने भी इस साल वैश्विक व्यापार में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मई में 38.1 अरब डॉलर का निर्यात किया गया जबकि आयात 61.9 अरब डॉलर का रहा। इस प्रकार मई में व्यापार घाटा 23.8 अरब डॉलर से अधिक का रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि आने वाले महीनों में भी निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा क्योंकि अधिकतर विकसित देशों में महंगाई कम हुई है और उन देशों से मांग निकल रही है। विश्व व्यापार संगठन ने भी इस साल वैश्विक व्यापार में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। मई में मुख्य रूप से इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, रेडीमेड गारमेंट्स, हैंडीक्राफ्ट्स, फार्मा, केमिकल्स जैसे रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में बढ़ोतरी के साथ चाय, काफी, फल-सब्जी के निर्यात में भी इजाफा रहा। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बताया कि अमेरिका, यूरोप, यूके, पश्चिम एशिया जैसे देशों से निर्यात आर्डर की बुकिंग में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। मई माह में सेवा निर्यात में 15 प्रतिशत का इजाफा रहा। मई में सेवा निर्यात 30.16 अरब डॉलर तो सेवा आयात सिर्फ 17.28 अरब डॉलर का रहा। सेवा निर्यात में व्यापार घाटे की जगह व्यापार बढ़ोतरी से वस्तु निर्यात में होने वाले व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी।बढ़ती कीमतों से दाल के आयात में मई में 181 प्रतिशत की बढ़ोतरी। दाल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए इन दिनों दाल का जमकर आयात किया जा रहा है। इस वजह से मई में दाल के आयात में पिछले साल मई के मुकाबले 181.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में दाल के आयात में 176.53 प्रतिशत का इजाफा देखा गया।

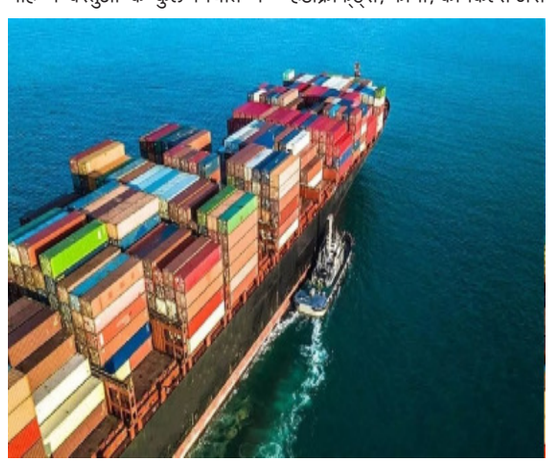

अगले हफ्ते भारत आ रही हैं प्रधानमंत्री शेख हसीना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूती देने के लिए अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना 21 जून को अपनी यात्रा शुरू करने वाली हैं और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करने वाली है। वार्ता के दौरान कई समझौतों पर मुहर लगने की उम्मीद है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूती देने के लिए अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना 21 जून को अपनी यात्रा शुरू करने वाली है और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करने वाली है। वार्ता के दौरान कई समझौतों पर मुहर लगने की उम्मीद है एक सूत्र ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर केंद्रित होगी। भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में प्रगति पर हैं। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत एक महत्वपूर्ण भागीदार है और यह सहयोग सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा और समुद्री मामलों सहित अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है। कनेक्टिविटी क्षेत्र में उपलब्धियों में त्रिपुरा में फेनी नदी पर मैत्री सेतु पुल का उद्घाटन और चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक का शुभारंभ शामिल है।

केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना के बेटे समेत 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, जानिए क्या है मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बेंगलुरु। कर्नाटक में केंद्रीय मंत्री वी सोमनन के बेटे अरुण बीएस समेत तीन लोगों के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत की गई है। तीनों पर एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में धोखाधड़ी और खातों में हेराफेरी करने एवं फर्म से जुड़े पति-पत्नी को धमकाने का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के निर्देश पर तीनों के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत की गई है। कर्नाटक में केंद्रीय मंत्री वी सोमनन के बेटे अरुण बीएस समेत तीन लोगों के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत की गई है। तीनों पर एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में धोखाधड़ी और खातों में हेराफेरी करने एवं फर्म से जुड़े पति-पत्नी को धमकाने का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के निर्देश पर तीनों के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत की गई है एफआईआर के अनुसार, शिकायकर्ता तृप्ति ने आरोप लगाया है कि वह और उनके पति माधवराज 23 वर्षों से एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चला रहे हैं। 2023 में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान जल शक्ति एवं रेल राज्यमंत्री के बेटे अरुण से उनकी मुलाकात हुई। 2017 में उनकी कंपनी ने अरुण की बेटी के लिए जन्मदिन की पार्टी आयोजित की थी। इसके बाद अरुण ने अपने मित्रों और परिवार के अन्य सदस्यों के लिए कार्यक्रम की योजना बनाने का काम उनकी कंपनी को सौंप दिया। 2019 में अरुण और माधवराज ने पार्टनरशिप डीड के तहत मिलकर एक कंपनी शुरू की। कारोबार में हुए घाटे की जानकारी अरुण ने माधवराज को नहीं दी। पूछताछ करने पर उन्हें कंपनी से हटा दिया गया और गुंडों से परेशान कराया गया।

'हिंद महासागर में छोटे देशों पर दादागिरी नहीं करते सकते बलशाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना लगातार सशक्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके दूसरे कार्यकाल में नौसेना को और सशक्त बनाने पर जोर होगा।

साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में देश की नौसैनिक शक्ति की मौजूदगी को और प्रभावी व सशक्त बनाया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना लगातार सशक्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके दूसरे कार्यकाल में नौसेना को और सशक्त बनाने पर जोर होगा। साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में देश की नौसैनिक शक्ति की मौजूदगी को और प्रभावी व सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी हिंद महासागर क्षेत्र में मत्स्य न्याय होने की अनुमति नहीं देगाकहा कि भारत कभी भी हिंद महासागर क्षेत्र में 'मत्स्य न्याय' होने की अनुमति नहीं देगा। उनका कहना है कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत किसी बलशाली देश को किसी कमजोर को नुकसान नहीं पहुंचाने देगा।रक्षा मंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल का प्रभार संभालने के बाद विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसैनिक कमान की तैयारी की समीक्षा करते हुए शुक्रवार को आईएनएस जलाश्व का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम हिंद महासागर क्षेत्र को मत्स्य न्याय का क्षेत्र नहीं बनने देंगे, जहां बड़े देश छोटों पर दादागिरी करते हैं। भारतीय नौसेना लगातार बलशाली बनती जा रही है। बढ़ते औद्योगिक बुनियादी ढांचे, हमारे शिपयार्डों के विस्तार, बढ़ते युद्धपोतों से हमारी नौसेना उभरती हुई नई शक्तिशाली सेना बन गई है। उन्होंने कहा कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में भी इस प्रगति को रफ्तार देंगे। फिर चाहे हिमालय हो या हिंद महासागर हमारी प्राथमिकता निरंतर अपनी सीमाओं को और सुरक्षित करना है। उन्होंने आईएनएस जलाश्व पर पूरा एक दिन बिताने के दौरान कमांड के युद्धपोतों, पनडुब्बियों और विमानों के बहुआयामी आपरेशनों को समझा और तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ पोत पर चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के.त्रिपाठी भी थे। उन्होंने नौसैनिक अधिकारियों और नाविकों से बातचीत करते हुए कहा कि हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश □हद-प्रशांत महासागर में किसी देश का दमन न कर सके। आर्थिक ताकत या सैन्य ताकत के दम पर रणनीतिक स्वायत्तता के लिए खतरा न बन जाए।

इटली में पीएम मोदी की जेलेंस्की से मुलाकात, यूक्रेन युद्ध पर दिया अहम बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान आउटरीच बैठक में हिस्सा लाने इटली पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दुनिया के कुछ दिग्गज नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक की। देर शाम तक पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों, ब्रिटेन के पीएम रिषी सुनक के अलावा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत हुई है। जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान आउटरीच बैठक में हिस्सा लाने इटली पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दुनिया के कुछ दिग्गज नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक की। देर शाम तक पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों ब्रिटेन के पीएम रिषी सुनक के अलावा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत हुई है । लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद यह भारतीय पीएम की पहली विदेश यात्रा है। मोदी से मिलने वाले हर राष्ट्र प्रमुख ने उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। इटली के शहर अपुलिया में हुई इस मुलाकात से वैश्विक शक्तियों के साथ भारत के रिश्तों की निरंतरता को बनाये रखने और रणनीतिक रिश्तों को मजबूत बनाने के संकेत मिले हैं। भारत ने वैश्विक हालात में हो रहे बदलाव को देखते हुए अपनी कूटनीति में भी बदलाव के संकेत दिए हैं। पीएम मोदी की शुक्रवार को जब अपुलिया में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात हुई तो उन्होंने कहा, 'भारत यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने को बेहद इच्छुक है।' यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध और चीन के साथ रूस की बढ़ रही दोस्ती के मद्देनजर भारतीय पीएम की यह बात बहुत ही मायने रखती है। रूस भारत का सबसे पुराना रणनीतिक साझेदार देश है। अभी भी भारत रूस से काफी रक्षा उपकरण खरीदता है लेकिन जिस तरह से चीन, पाकिस्तान के साथ रूस के संबंध बन रहे हैं, उसे देखते हुए भारत भी अपने विकल्प खोल कर रखे हुए है। हालांकि यूक्रेन पर रूस के हमले की भारत ने अभी तक खुल कर निंदा नहीं की है। बहरहाल, पीएम मोदी की यह जी 7 बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ लगातार दूसरी मुलाकात थी। पिछले वर्ष जापान में पहली बार मोदी और जेलेंस्की की द्विपक्षीय वार्ता हुई थी।शुक्रवार को भी मोदी ने भारत के इस पुराने स्टैंड को दोहराया कि यूक्रेन-रूस विवाद का समाधान वार्ता व कूटनीति से ही संभव है। मोदी ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बहुत ही फलदायी बैठक हुई है। भारत यूक्रेन के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत बनाने को लेकर तैयार है।' मोदी और सुनक के बीच हुई वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हर मुद्दे पर विमर्श हुआ है। मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री सुनक से मिल कर काफी खुशी हुई। मैंने उन्होंने आश्वासन दिया कि एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत व ब्रिटेन के रणनीतिक रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाने की पूरी कोशिश होगी। सेमीकंडक्टर, प्रौद्योगिकी व कारोबार में द्विपक्षीय रिश्ते को मजबूत बनाने की काफी संभावनाएं हैं। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर भी बात हुई है।' इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि दोनो नेताओं ने वर्ष 2030 के लक्ष्यों को लेकर बात की है।

शनिवार को जारी हुए पेट्रोल डीजल के नए दाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।पिछले कुछ महीनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऐसे में भारत के ज्यादातर शहरों में फ्यूल की कीमत समान रही है। अगर आप अपनी गाड़ी में फ्यूल डलाने जा रहे हो तो आपको पहले इसकी कीमतों पर एक नजर डाल लेनी चाहिए। तेल कंपनियों ने 15 जून यानी शनिवार के लिए तेल की कीमतों को अपडेट कर दिया है। रोजना सुबह 6 बजे ये कीमतें अपडेट की जाती है। फिलहाल फ्यूल की कीमतों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। ऐसे में गाड़ी की टंकी फुल कराने से पहले अपने शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों का एक बार जरुर जांच लें। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने रोज सुबह की तरह आज भी फ्यूल प्राइस अपडेट कर दिया है। आप आसानी से कंपनी की वेबसाइट और ऐप के जरिये लेटेस्ट रेट चेक कर सकते है। तेल कंपनियां तेल की कीमतों पर वैट और टैक्स लगाती है, जिसकारण हर शहर में रेट प्राइस अलग-अलग होते है।

अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक, यात्री ट्रेनों को समय पर चलाने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों को होने वाली परेशानियों से निजात मिल सकती है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेलवे के सभी अधिकारियों को आगाह किया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं ट्रेनों का परिचालन समय पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्री सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधारने का निर्देश दिया। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेलवे के सभी अधिकारियों को आगाह किया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं ट्रेनों का परिचालन समय पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्री सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधारने का निर्देश दिया। रेलमंत्री ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेलवे जोन के सभी डीआरएम एवं जीएम के साथ ट्रेनों में सुरक्षा एवं परिचालन में समय के अनुपालन पर उच्चस्तरीय बैठक की। रेलमंत्री ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेलवे जोन के सभी डीआरएम एवं जीएम के साथ ट्रेनों में सुरक्षा एवं परिचालन में समय के अनुपालन पर उच्चस्तरीय बैठक की। रेलमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कुछ हिस्सों में देखा जाता है कि ट्रेनें समय से चलती है और कुछ हिस्सों में काफी देर से खुलती एवं गंतव्य तक पहुंचती है मंत्री ने कहा कि विलंब से चल रही ट्रेनों के कारणों का विस्तृत विश्लेषण करें और अगली मीटिंग में समाधान के साथ आएं। किसी भी हाल में अनुचित ट्रेन अवरोध स्वीकार्य नहीं होंगे। इसकी निगरानी सख्ती से की जानी चाहिए और विलंब से चल रही ट्रेनों में सुधार किया जाना चाहिए रेलमंत्री ने गर्मी में स्टेशनों पर भीड़ को देखते हुए उन्होंने एसी, कूलर एवं पंखे जैसे उपकरण तत्काल लगाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को आगाह किया कि यात्री सुरक्षा एवं ट्रेनों के समय पर परिचालन के मुद्दे पर समझौता नहीं किया जा सकता है।

कुवैत से लाए गए 45 भारतीयों के शव, पहले कोच्चि फिर दिल्ली उतरा विमान; लोगों की आंखें हुई नम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कोच्चि। केरल ने शुक्रवार को कुवैत अगिन्कांड में मारे गए राज्य के लोगों को अश्रुपूर्ण विदाई दी। यह राज्य के प्रवासी समुदाय को प्रभावित करने वाली अब तक की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। पीड़ितों के घरों का दृश्य दिल दहला देने वाला था। कुवैत में अगिन्कांड में मारे गए 45 भारतीयों के शव शुक्रवार को वायुसेना के विशेष विमान सी-130जे से स्वदेश लाए गए। वायुसेना का विमान कुवैत से पहले कोच्चि आया क्योंकि इसमें केरल तमिलनाडु और कर्नाटक के निवासियों के शव थे। इसके बाद उत्तर भारतीय पीड़ितों के 14 शवों को लेकर वायुसेना का विमान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा । अगिन्कांड में मारे गए लोगों के शव जब उनके घर पहुंचे, तो उनके रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों को सांत्वना देने में मुश्किल हुई। इस बीच, कुवैत में भीषण आग लगने से घायल एक और भारतीय की मौत हो गई है। इससे मरने वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। शुक्रवार शाम तक ज्यादातर पीड़ितों के शवों की उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंत्येष्टि कर दी गई। कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों के शवों की अंत्येष्टि बाद में करने का फैसला किया, क्योंकि वे विदेश से अपने नजदीकी रिश्तेदारों के आने का इंतजार कर रहे हैं। कोचीन हवाई अड्डे पर शुक्रवार को बेहद गमगीन माहौल था। कुवैत अगिन्कांड में मारे गए लोगों के शव जब एक-एक कर बाहर लाए जाने लगे तो वहां मौजूदा उनके प्रियजन चीत्कार कर उठे। अगिन्कांड में मारे गए 45 भारतीयों के शव शुक्रवार को वायुसेना के विशेष विमान सी-130जे से स्वदेश लाए गए। वायुसेना का विमान कुवैत से पहले कोच्चि आया, क्योंकि इसमें केरल (23), तमिलनाडु (7) और कर्नाटक (1) के निवासियों के शव थे।इसके बाद उत्तर भारतीय पीड़ितों के 14 शवों को लेकर वायुसेना का विमान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा। इनमें 2 शव हरियाणा और एक पंजाब के थे। जिन राज्यों के लोगों के शव यहां लाए गए, उनमें हरियाणा पंजाब के अलावा आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड के लोग शामिल थे। बिहार के जिन दो लोगों के शव यहां लाए गए हैं, उनमें अनिल गिरी व शिवशंकर सिंह शामिल हैं। ये दोनों बिहार के गोपालगंज से कुवैत गए थे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति व?र्द्धन सिंह इन शवों को लेकर कुवैत से स्वदेश आए। कोच्चि में आवश्यक सुरक्षा मंजूरी के कारण ताबूतों को बाहर लाने में एक घंटा लग गया। दक्षिण भारतीय राज्यों के पीड़ितों के शव यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाए गए, जहां केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन सहित केंद्रीय और राज्य के मंत्रियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक संतप्त परिवार सुबह से ही यहां एकत्र हो गए थे और अपने प्रियजनों के शव का धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे थे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

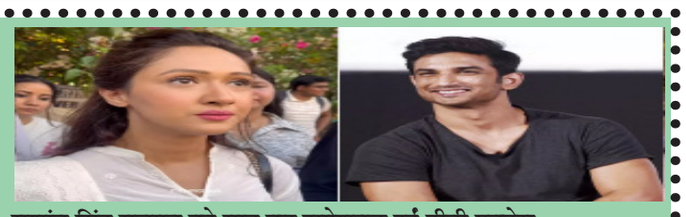

सुशांत सिंह राजपूत को याद कर इमोशनल हुईं टीवी एक्ट्रेस

ऋतिक की बहन पश्मीना रोशन हो चुकी हैं डिप्रेशन का शिकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रिलीज से पहले बताई दास्तां ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन की डेब्यू मूवी इश्क विश्क रिबाउंड कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में इस समय वह फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में पश्मीना ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की है। साथ ही यह बताया है कि वह डिप्रेशन का शिकार हो चुकी हैं। फिल्म को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं। ऐसे में इसकी कास्ट और पूरी टीम मूवी का जमकर प्रमोशन करते हुए नजर आ रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म को प्रमोट करते हुए पश्मीना ने अपनी मेंटल हेल्थ और इस फिल्म में की गई मेहनत के बारे में बात की। हालांकि, वह इसे लेकर श्योर नहीं थी कि उन्हें अपना करियर एक्टिंग में ही बनाना है या नहीं। इसकी वजह से पश्मीना ने मार्केटिंग का कोर्स करने के लिए विदेशों के कई कॉलेज में अप्लाई भी कर दिया था, लेकिन वह अपने आप को उसके लिए भी अच्छा नहीं समझती थीं। इसके साथ ही 'इश्क विश्क रिबाउंड' की एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय उनके पास कॉन्फिडेंस की भी काफी कमी थी। फिर उन्होंने अपने हुनर को जानने के लिए फोटोशूट करवाया और उसे अपने परिवार वालों को दिखाया। उसे देखने के बाद उनके उनकी फैमिली ने कहा कि हर किसी में कुछ न कुछ हुनर होता है, लेकिन उसको निखारना पड़ता है। उनकी ये बात सुनने के बाद पश्मीना ने एक्टिंग और डांस की ट्रेनिंग ली और बैक टू बैक कई ऑडिशन भी दिए। हालांकि, शुरू में उन्हें रिजेक्शन ही मिला और फिर कड़ी मेहनत के बाद उन्हें यह फिल्म मिली। बता दें कि 'इश्क विश्क रिबाउंड' 21 जून को रिलीज होने वाली है।

कॉमिक्स के हीरो बन चुके हैं मिथुन चक्रवर्ती इस फिल्म से प्रेरित था एक्टर का किरदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मिथुन चक्रवर्ती का नाम हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेताओं की सूची में शामिल होता है। अपने समय में शानदार एक्शन और डांस के दम पर मिथुन किसी भी फिल्म को हिट कराने का माद्दा रखते थे। लेकिन क्या आप जानते है उनकी एक फिल्म से प्रेरित होकर कॉमिक्स बुक भी बन चुकी है जो काफी पॉपुलर भी हुई थी। 16 जून को मिथुन का 74वां जन्मदिन मनाया जाएगा और आज इस लेख में हम उनसे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में चर्चा करने जा रहे हैं। जिसमें हम बताएंगे कि मिथुन चक्रवर्ती पर एक कॉमिक बुक बन चुकी है। बड़े पर्दे पर अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने वाले मिथुन चक्रवर्ती कॉमिक्स के हीरो का किरदार निभा चुके हैं। दरअसल उनके करियर की सुपरहिट फिल्म डिस्को डांसर ने हर किसी की दिल बखूबी जीता। इस फिल्म के बाद मिथुन रातोंरात सुपरस्टार बन गए। इस फिल्म से प्रेरित होकर लेखक सौरव मोहपात्रा और अनुपम सिन्हा ने मिलकर साल 2008 में एक जासूस हीरो कॉमिक्स बुक को लॉन्च किया। इस कॉमिक बुक का नाम जिम्मी झिगजैग-एजेंट ऑफ डिस्को था। इसमें मिथुन का किरदार एक स्पाई एजेंट का था। डिस्कोर डांसर फिल्म की तरह मिथुन चक्रवर्ती की ये कॉमिक बुक भी काफी पॉपुलर हुई और उनके करियर के लिए ये खास उपलब्धि मानी जाती है। बहुत कम बार देखा गया है कि बॉलीवुड के किसी अभिनेता और उसकी फिल्म को लेकर कोई कॉमिक बुक पब्लिश की गई हो। लंबे समय से बतौर कलाकार मिथुन चक्रवर्ती हिंदी सिनेमा में एक्टिव हैं। लेकिन उनके एक्टिंग करियर को ऊंची उड़ान साल 1982 में आई फिल्म डिस्को डांसर के जरिए मिली। निर्देशक बब्बर सुभाष के निर्देशन में बनी इस मूवी में मिथुन ने एक डिस्को डांसर का किरदार निभाया। इस फिल्म में मिथुन ने ये दिखाया था कि सिर्फ एक्शन ही नहीं, बल्कि डांस के मामले में भी उनका कोई मुकाबला नहीं है। डिस्को डांसर के गाने और मिथुन का डांस स्टाइल काफी पॉपुलर हुआ और आज भी इसकी धुन पर फैंस थिरकते हुए नजर आ जाते हैं। मिथुन चक्रवर्ती के अलावा इस फिल्म में अभिनेत्री किम, ओम पुरी और राजेश खनन अहम किरदारों में नजर आए थे। आलम ये रहा था कि डिस्को डांसर फिल्म काफी सफल रही और इसने हर किसी का दिल जीता। आज भी डिस्को डांसर को मिथुन की सबसे शानदार मूवीज में से एक माना जाता है। 47 साल पहले अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने हिंदी और बंगाली फिल्मी इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। इस दौरान उन्होंने प्रेम विवाह, आखिरी इंसाफ, हम पांच, घर एक मंदिर, गुलामी, वतन के रखवाले और गंगा जमुना सरस्वती जैसी कई फिल्में की हैं। इतना ही नहीं मौजूदा समय में भी वह द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों में अपने एक्टिंग के हुनर की छाप छोड़ चुके हैं।

14 साल फिल्मों से दूर रहे फरदीन खान ने डिप्रेशन पर की बात, कहा- जिंदगी आसान नहीं, खुद को शांत रखने के लिए मैंने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर फरदीन खान ने 14 साल के गैप के बाद एक्टिंग लाइन में वापसी की। संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया। फरदीन खान ने इतने लंबे टाइम के बाद वापसी करने और डिप्रेशन पर खुलकर बात की है। बॉलवुड में साल 2000 के शुरुआती वर्षों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाकर फैन फॉलोइंग बनाने वाले फरदीन खान ने 14 साल बाद हीरामंडी से वापसी की। हाल ही में एक्टर ने अपने टफ दिनों और आदत का खुलासा किया। फरदीन ने बताया कि उन्हें ओवरथिंकिंग की आदत है। ऐसे समय में वह फिर खुद को कैसे संभालते हैं इसके बारे में एक्टर ने बताया। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में फरदीन खान ने अपने टफ दिनों पर बात की। एक्टर ने अपनी आदतों का खुलासा करते हुए कहा कि मौत और पुनरुत्थान जिंदगी का चक्र है। उन्होंने कहा कि कुछ भी आसान नहीं होता। जिस चीज को आप ढूंढना चाहते हैं, उसके लिए आपको लगना पड़ता है। आपको मार्केट में लोगों से बात करनी होती है। एक्टर ने कहा कि आप जो कर रहे होते हैं, आप उसमें समय के साथ और अच्छे से समझ पाते हैं। आपको समझ आता है कि आप सही काम कर रहे हैं या आपको और सीखने की जरूरत है और अपनी स्किल्स को मास्टर करने की जरूरत हैं। फरदीन ने कहा कि कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आप डिप्रेशन में आ जाते हैं। आपको पॉजिटिव फीलिंग नहीं आती। चीजों के मायने नहीं समझ आते, लेकिन मेरी नजर में अपने बारे में जानने का एक तरीका होता है। जब आप उस किसी चीज के बारे में गहराई से सोचते हैं, तो मजा उसी में होता है। ये जिंदगी मौत और पुनरुत्थान का चक्र है। फरदीन ने बताया कि उनके लिए वो दिन मुश्किल भरे रहे, जब वह डिप्रेशन से जूझ रहे थे। उन्होंने कहा, "मैं कभी-कभी खुद को एक दायरे में बंद कर लेता हूं। मुझे एक ही जगह बैठ चीजों के बारे में सोचना अच्छा लगता है। जो लोग मुझे जानते हैं, वो कहते है कि मैं ओवरथिंकिंग करता हूं, लेकिन मैं की बार अकेले में सोचता हूं कि मुझे आखिर क्यों नेगिटिव फीलिंग आ रही हैं। एक बार कारणों का पता लग जाए, उसके बाद नॉर्मल होने में कम दुविधा महसूस होती है।

इंडस्ट्री में ब्रैकथ्रो को लेकर शालीन भनोट ने दिया बड़ा बयान, बोले 'पार्टी में जाने से नहीं मिलता काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंडस्ट्री में काम पाने का तरीका है कि ऑडिशन दो। अगर उसमें पास हो जाते हैं, तो काम मिल जाता है। हालांकि, कई कलाकार मानते हैं कि बड़ी पार्टियों में जाकर लंच और डिनर करने से कई बार काम मिलता है। चमकीला अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने भी पिछले दिनों ऐसा कहा था। इन दिनों रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए शूटिंग कर रहे अभिनेता शालीन इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। छोटे पर्दे के जाने माने एक्टर शालीन भनोट इन दिनों रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह शो जल्द ही ऑनएयर होने वाला है। इससे पहले वह बिग बॉस में भी अपना जलवा दिखा चुके हैं। अब हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में मिलने वाले काम को लेकर बात की है। साथ ही यह शालीन ने जयदीप का भी जिक्र किया है। शालीन कहते है कि अगर आप जानते हैं कि आप प्रतिभाशाली हैं तो आपके लिए काम है। एक काम नहीं मिलेगा, तो दूसरा मिलेगा। अगर पार्टी में जाकर या लंच और डिनर पर काम मिलता, तो आज बैठकर कहीं खाना ही खा रहे होते, काम नहीं। मैंने बहुत लोगों को संघर्ष के बाद काम करते देखा है। मेरे सामने जयदीप अहलावत का उदाहरण है। जयदीप भैया को मैं सालों से जानता हूं, वह काफी समय तक संघर्ष करते रहे, फिर जब मौका मिला तो उस पर खरे उतरे। मैं तो फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के साथ शो कर रहा हूं। मुझे तो उनसे कहने में भी कोई हर्ज नहीं है कि आपके साथ काम करना है। मैं तो उन्हें पहले भी कह चुका हूं। कोई इतना बड़ा नहीं है, जो काम नहीं मांगता है। हर इंसान का अपना संघर्ष है। बता दें कि छोटे पर्दे के एक्टर शालीन भनोट जल्द ही खतरों के खिलाड़ी 14 में दिखाई देने वाले हैं। इन दिनों वह रोमानिया में इसकी शूटिंग कर रहे हैं। वहां से कुछ दिन पहले उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें देखने को मिला कि उनका चेहरा सूजा हुआ है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा बताया गया कि शो में एक स्टंट करते समय शालीन भनोट को 200 से ज्यादा बिच्छुओं ने काट लिया था।

सुशांत सिंह राजपूत को याद कर इमोशनल हुईं टीवी एक्ट्रेस, प्रेयर मीट में नहीं थमे आंसू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भला कौन नहीं जानता। आज बेशक वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनको लेकर चर्चाएं हमेशा होती हैं। 14 जून यानी बीते कल सुशांत की चौथी डेथ एनिवर्सरी मनाई गई और हर किसी ने इस एक्टर को याद किया। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की चौथी डेथ एनिवर्सरी बीते कल 14 जून को मनाई गई। इस दौरान उनके लिए एक प्रेयर मीट का आयोजन भी किया गया। इस बीच सोशल मीडिया पर टीवी एक्ट्रेस कृष्ण बैरेटो का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें वह सुशांत को याद कर भावुक होती हुई नजर आ रही हैं। इस बीच टीवी एक्ट्रेस कृष्ण बैरेटो को भी सुशांत राजपूत सिंह को याद आई है और प्रेयर मीट के कार्यक्रम के दौरान वह इमोशनल होती दिखी हैं। इस मौके का एक लेटेस्ट वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत को 4 साल का समय बीत चुका है, लेकिन उनके करीबी और फैंस इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि इंडस्ट्री का ये चमकता सितारा अब हमारे बीच नहीं रहा है। बतौर टीवी एक्टर फिल्मी दुनिया में नाम कमाने वाले सुशांत के काफी दोस्त छोटे पर्दे के कलाकार थे, उनमें कृष्ण बैरेटो का नाम भी शामिल होता है। सुशांत की डेथ एनिवर्सरी के मौके पर रखी गई प्रेयर मीट में शुक्रवार को कृष्ण शामिल हुईं और इस मीडिया ने उनसे कुछ सवाल पूछे। इस मौके का एक लेटेस्ट वीडियो इंस्टेंट बॉलीवुड ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है, जिसमें कृष्ण बैरेटो भावुक होती नजर आ रही हैं। वीडियो देख साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोस्त सुशांत सिंह राजपूत को याद कर उनकी आंखें नम हो गई हैं। टीवी एक्ट्रेस का ये वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। छोटे पर्दे की फेमस अदाकाराओं की सूची में कृष्ण बैरेटो का नाम शामिल होता है। हालांकि एक्टिंग की दुनिया में अब वह ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने दीपिका कक्कड़ के पॉपुलर धारावाहिक ससुराल सिमर का से उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई। इसके अलावा वह ये कैसी यारियां और तेरी आशिकी जैसे टीवी सीरियल्स में भी दिख चुकी हैं।

भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के क्लैश पर अनीस बज्मी ने किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मूवी लवर्स के लिए इस बार अगस्त का महीना बहुत खास होने वाला है। 15 अगस्त को एक या दो नहीं, बल्कि 3 तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार की 'खेल खेल में', जॉन अब्राहम की 'वेदा' और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' शामिल है। शुक्रवार का दिन बेहद ही खास था। एक तरफ जहां श्रद्धा कपूर ने अपनी फिल्म स्त्री 2 का टीजर और रिलीज डेट से पर्दा उठाया। वहीं रोहित शेट्टी ने भी सिंघम अगेन की रिलीज डेट बता दी। अजय देवगन दीपिका पादुकोण की ये मूवी अब दिवाली पर आएगी और बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक की भूल भुलैया से टक्कर लेगी। अब इस पर अनीस बज्मी ने रिएक्ट किया है। हालांकि, अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 भी इसी दिन रिलीज होनी थी, लेकिन अब खबरें आ रही है कि इसकी तारीख आगे बढ़ सकती है। वहीं, रोहित शेट्टी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिंघम अगेन' की रिलीज डेट से भी पर्दा उठ गया है। यह मूवी इस साल दिवाली पर रिलीज होगी और बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक की 'भूल भुलैया 3' से टक्कर लेगी। अब बॉक्स ऑफिस पर 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' के होने वाले क्लैश पर डायरेक्टर अनीस बज्मी ने रिएक्ट किया है। इसके साथ ही उन्होंने यह बता दिया है कि इस चीज से वह खुश नहीं हैं। हाल ही में एचटी से बात करते हुए अनीस बज्मी ने कहा कि फिल्मों के बीच टकराव कभी भी अच्छा नहीं होता। हम भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट एक साल पहले ही अनाउंस कर चुके थे। मैं नहीं जानता कि क्या करें अभी। इसके आगे बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब क्लैश होता है, तो लगभग सभी फिल्मों पर उसका असर पड़ता है, इससे नुकसान तो होता ही है। वहीं, जब डायरेक्टर से भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट बदलने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इसके बारे में अभी सोचा नहीं है और फिल्म रिलीज की डेट पहले ही तय हो चुकी है। हालांकि, उन्होंने बताया कि अजय देवगन उनके अच्छे दोस्त है, लेकिन रिलीज डेट बदलना हमारे कंट्रोल में नहीं होता।

कोंकण के भूत 'मुंज्या' का 'चंदू चैंपियन' के आगे खौफ कायम, इस आंकड़े को छूने से इंचभर दूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर 'मुंजया' के साए ने लोगों में खौफ पैदा किया। दिनेश विजान के डायरेक्शन में बनी फिल्म ने लोगों को डराया, तो हंसाया भी खूब। फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए सॉलिड कमाई की। फिल्म अब रिलीज के दूसरे हफ्ते में एंटर कर चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का जलवा अक्सर बढ़चढ़ कर देखने को मिलता है। 7 जून को रिलीज हुई मुंज्या ने बॉक्स ऑफिस पर अपना कहर कायम रखा। फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में एंटर कर चुकी है। दिनेश विजान के डायरेक्शन में बनी मुंज्या की कहानी हर किसी को पसंद आ रही है। गिरते आंकड़ों के बावजूद फिल्म का बज बना हुआ है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'मुंज्या' ने देशभर में रिलीज के दूसरे शुक्रवार 3.35 करोड़ का बिजनेस किया है। फिल्म 40 करोड़ की कमाई करने से इंचभर दूर है। 'मुंज्या' फिल्म को कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' से टक्कर मिल रही है। चंदू चैंपियन इस शुक्रवार यानी 14 जून को रिलीज हुई है। यह स्पोर्ट्स ड्रामा मूवी है, मगर इसके आगे हॉरर-कॉमेडी 'मुंज्या' का जलवा पहले दिन कुछ खास कम नहीं हुआ। अब देखना ये होगा कि आने वाले दिनों में मुंज्या फिल्म किस कलेक्शन पर आकर रुकती है।

सम्पादकीय

भूमि पर रेंगती मौत है मरुस्थलीकरण

दुनिया भर के कई क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण एक कठोर वास्तविकता बन गया है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका को खतरा है।भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण, और सूखा प्रतिरोधकता। इस महत्वपूर्ण और चुनौती भरे विषय पर केंद्रित इस वर्ष का विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।?इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टीफिकेशन (यूएनसीसीडी) की पार्टियों का 16वां सम्मेलन रियाद में 2 से 13 दिसंबर तक होना है। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में विश्व को भूमि की सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन के सामने मरुस्थलीकरण और सूखे से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यवाही की तत्काल आवश्यकता को पहचानने का आह्वान किया गया है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता व आजीविका के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, जिससे पारिस्थितिक रूप से सुदृढ़ भूमि प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना अनिवार्य हो जाता है। प्रत्येक बीते वर्ष के साथ, इन चुनौतियों से निपटने की तात्कालिकता और अधिक स्पष्ट हो जाती है, जिससे हमें उनके प्रभाव को कम?करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व की अनुभूति होती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित जितने भी अंतरराष्ट्रीय दिवस हैं, उनमें पर्यावरण दिवस ऐसा है, जिसे उत्साह और चिंतन के साथ मनाया जाता है। हमारे ग्रह के भूमि संसाधनों के लिए मरुस्थलीकरण सबसे घातक खतरों में से एक है, जो चुपचाप पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और आजीविका पर अतिक्रमण कर रहा है। मरुस्थलीकरण वास्तव में भूमि पर रेंगती मौत है। एक बार यह जिस भूखंड पर रेंग जाता है, वह भूमि का मृत हिस्सा बनकर रह जाता है, वहां की मिट्टी सांस नहीं ले सकती, वहां कोई पौधा नहीं पनप सकता, वहां जीवन की खाद्य शृंखला टूट जाती है। मरुस्थलीकरण कोई यकायक घटी प्रलयंकारी घटना नहीं, वरन भूमि क्षरण की क्रमिक प्रक्रिया है, जिसमें वनस्पति की हानि, मिट्टी का क्षरण और जल संसाधनों की कमी सम्मिलित है। यह शुष्क, अर्ध शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों में होता है, जहां जलवायु परिवर्तन और अस्थिर भूमि प्रबंधन प्रथाएं और शहरीकरण भूमि के क्षरण में योगदान करते हैं, जिससे मरुस्थलीकरण का प्रसार बढ़ता है। मरुस्थलीकरण प्राकृतिक और मानवीय?दोनों प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। इससे पारिस्थितिक तंत्रों में जैव विविधता की हानि, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा सूखे और वनों की आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं की एक अटूट शृंखला शुरू हो जाती है। दुनिया भर के कई क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण एक कठोर वास्तविकता बन गया है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका को खतरा है और सतत विकास के प्रयास कमजोर हो रहे हैं। विशेष रूप से अफ्रीका में विशाल भूमि मरुस्थलीकरण की निरंतर प्रगति का शिकार हो रही है। मरुस्थलीकरण की गंभीर वास्तविकताओं के बीच कार्यवाही के लिए आशा और अवसर उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने का प्रयास किया है। 1994 में अपनाया गया यूएनसीसीडी?इस दिशा में एक ऐतिहासिक समझौता है, जिसका उद्देश्य स्थायी भूमि प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना और सूखे के प्रभावों को कम करना है। पुनर्वनीकरण और वनीकरण की पहल मरू भूमि को बहाल करने और मरुस्थलीकरण को कम करने, वन्यजीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करने और कार्बन पृथक्करण लाभ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि वानिकी, संरक्षण कृषि और एकीकृत जल प्रबंधन जैसी टिकाऊ कृषि प्रथाएं मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने, सूखे के प्रति लचीलापन बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने में योगदान करती हैं। स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना?प्रभावी मरुस्थलीकरण शमन रणनीतियों का आवश्यक घटक है। निणर्य लेने की प्रक्रियाओं और क्षमता निर्माण गतिविधियों में स्वदेशी समुदायों व छोटे किसानों सहित स्थानीय हितधारकों को सम्मिलित करके, हम विशिष्ट समाधानों को लागू करने के लिए पारंपरिक ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग कर सकते हैं, जो मरुस्थलीकरण के मूल कारण का निराकरण करते हैं। मरुस्थलीकरण के विरुद्ध लड़ाई ऐसी नहीं है, जिसे रातोंरात जीता जा सके, बल्कि ठोस प्रयास, दृढ़ संकल्प और नवीनता के साथ हम धरा पर रेंगती मौत को मात दे सकते हैं।

उन्हें भरने हैं कई पेट, यही मजबूरी बनती है ढेंरों मुसीबतों का सबब

भारतीय मजदूरों को हसीन सपने दिखाकर खाड़ी देशों में ले जाया जाता है, लेकिन वादे के मुताबिक उन्हें वेतन और सुविधाएं नहीं दी जाती है। उनकी मजबूरी समझी जा सकती है कि उन्हें अपने देश की तुलना में वहां ज्यादा मजदूरी मिलती है और उन्हें अपने परिवार को भी पैसा भेजना होता है।खाड़ी देशों में, जिनमें कुवैत समेत बहरीन, इराक, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं, बड़ी संख्या में भारतीय श्रमिकों की मांग रहती है। इन श्रमिकों में ज्यादातर भवन निर्माण से जुड़े होते हैं। नर्सिंग सेवा से जुड़े लोग भी जाते हैं। कुवैत की कुल 49 लाख आबादी में दस लाख से ज्यादा भारतीय हैं, जो वहां की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी है। भारतीय मजदूरों को हसीन सपने दिखाकर खाड़ी देशों में ले जाया जाता है, लेकिन अक्सर वादे के मुताबिक उन्हें वेतन और सुविधाएं नहीं दी जाती हैं। चूंकि उन्हें अपने देश की तुलना में वहां ज्यादा मजदूरी मिलती है, और अपने देश में रोजगार का संकट है, इसलिए वे घर-बार छोड़कर बेहतर जिंदगी की तलाश में खाड़ी देशों में जाते हैं। वादे के मुताबिक, जब श्रमिकों को मानदेय और सुविधाएं नहीं मिलतीं, तो उनके पास दूसरा चारा नहीं होता। उनके पास इतने पैसे भी नहीं होते कि वे वापस आ सकें। कभी-कभी तो उनसे कंपनी मालिकों द्वारा उनका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया जाता है। इसलिए मन मारकर वे वहीं काम करने लगते हैं और चुपचाप शोषण सहते रहते हैं। उनके रहने की भी उचित व्यवस्था नहीं होती, अक्सर एक कमरे में चार-पांच लोगों को रखा जाता है।?12 जून को कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ में एक श्रमिक आवासीय इमारत में आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 45 भारतीय थे। इस भवन में 196 मजदूर रखे गए थे। आग लगने पर लोग निकल भी नहीं पाए, क्योंकि उस भवन में आपातकालीन निकास और सुरक्षा उपकरण तक नहीं थे। वहां की सरकार ने खुद स्वीकार किया कि जिस भवन में आग लगी, उसमें सुरक्षा के मानकों का बिल्कुल भी पालन नहीं किया गया था। यह स्थिति कुवैत की अकेली एक इमारत की नहीं है या सिर्फ इसी देश में ऐसा नहीं होता है, बल्कि लगभग प्रत्येक खाड़ी देश में मजदूरों के साथ इसी तरह का व्यवहार होता है। खाड़ी देशों में एक से एक इमारतें हैं और उनमें सुरक्षा के उपाय भी हैं, लेकिन बात जब श्रमिकों की आती है, तो उन्हें भीड़भाड़ वाली जगहों पर अल्प सुविधाओं के साथ रहने की जगह दी जाती है। इसलिए इस तरह के हादसे होते हैं। मैंने खुद हैती में देखा है कि एक कमरे में चार-चार लोगों को रखा गया था। यह वहां के स्थानीय नियम-कानूनों का भी उल्लंघन है। भारत में विदेशी कंपनियों के जो एजेंट हैं, वे मजदूरों को विदेश भिजवाने का इंतजाम करते हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी मजदूर को ले जाना होता है, तो उससे वादा किया जाता है कि तुम्हें 300 डॉलर मजदूरी दी जाएगी, लेकिन वहां पहुंचने पर कम मजदूरी दी जाती है। दरअसल, यह जो एजेंटों का रैकेट है, वही सारी गड़बड़ी करता है। श्रमिक जिन कंपनियों में काम करने के लिए जाते हैं, उनके मालिक काफी अमीर होते हैं। एजेंट कंपनी मालिक से मजदूरों को देने के लिए जितनी रकम लेते हैं, उतनी मजदूरों को देते नहीं। यही नहीं, यहां से जिस काम के लिए उन्हें ले जाया जाता है, वहां दूसरे काम में लगा दिया जाता है। हाल ही में रूस की सेना में भर्ती हुए कई भारतीयों की मौत हो गई। दरअसल उन्हें दूसरे कामों के लिए ले जाया गया था। लेकिन भेज दिया सेना में लड़ने के लिए, नतीजतन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। श्रमिकों को विदेशों में कोई परेशानी न हो, इसके लिए भारत सरकार ने काफी नियम बनाए हैं और संबंधित देशों में स्थित भारतीय दूतावास भी उनकी मदद के लिए तैयार रहते हैं। अभी कुवैत में जो हादसा हुआ, उसके तत्काल बाद भारत सरकार सक्रिय हो गई। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक करके प्रत्येक मृतक के परिजन को तत्काल दो लाख रुपये के अनुदान देने का एलान किया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कुवैत के विदेश मंत्री से बात की और विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन को वहां पर भेजा गया। वहां के राजदूत ने भी घटनास्थल और उन अस्पतालों का दौरा कर घायलों का हालचाल जाना, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है। हालांकि कुवैती सरकार भी हरसंभव मदद कर रही है। खाड़ी देशों में अन्य देशों के श्रमिक भी रहते हैं। लेकिन जितना ख्याल भारत सरकार अपने लोगों का रखती है, उतना अन्य किसी देश की सरकार नहीं। विदेशों में भारतीयों का शोषण न हो, इसके लिए भारत सरकार ने 'मदद' पोर्टल बनाया है, जिस पर आप सहायता ले सकते हैं। 'ई-माइग्रेट' नामक पोर्टल के जरिये भी मदद मिलती है। इसके अलावा, हर देश में भारतीय दूतावास खुली अदालत लगाते हैं, जहां विदेश में रहने वाला कोई भी भारतीय अपनी समस्या बताकर मदद मांग सकता है। दूतावास द्वारा उनकी हर संभव मदद का प्रयास किया जाता है। हमारी सरकार ने नियम बनाया है कि 35 साल से कम उम्र की कोई महिला खाड़ी देशों में मजदूरी या घरेलू काम करने के लिए नहीं जाएगी, क्योंकि महिलाओं के शारीरिक शोषण तक की शिकायतें मिलती रही हैं। हालांकि पहले के मुकाबले अब हालात बदले हैं। विदेश जाने वाले श्रमिकों को भाषा संबंधी प्रशिक्षण के साथ कई स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाता है। मजदूरों को नियुक्त करने वाली नियोक्ता कंपनियों का सारा डाटा निकालकर पूरी छानबीन की जाती है। हालांकि कई बार विदेशों में रहने वाले भारतीय दूतावासों की एडवाइजरी का पालन नहीं करने के कारण संकट में फंस जाते हैं। जब मैं लीबिया में राजदूत था, तो मैंने भारतीयों से कहा कि यहां कभी भी युद्ध हो सकता है, इसलिए जल्द से जल्द यहां से निकलो, लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। जब बमबारी होने लगी, तो भगदड़ मच गई। भारत में उनके परिजन सरकार से मांग करने लगे कि हमारे परिजनों को निकालो। जैसे-तैसे मैंने खुद 430 लोगों को वहां से निकलवाया। सरकार ने एयर इंडिया की फ्लाइट से उन्हें अपने वतन लौटाया। निश्चित रूप से भारत सरकार ने विदेश जाने वाले श्रमिकों की सुरक्षा की अच्छी व्यवस्था की है, लेकिन उसे अपने तंत्र को और मजबूत करना होगा, ताकि उन देशों की कंपनियां और उन्हें भेजने वाले एजेंट मजदूरों के साथ धोखाधड़ी न करें और वादे के अनुसार उन्हें वेतन एवं सुविधाएं प्रदान करें। इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए।

हिंदी में शपथ लेने के संदेश बहुत गहरे

ज्यादातर मंत्रियों का हिंदी में शपथ लेना हो या तंत्र के शीर्ष का हिंदी में बढ़ता व्यवहार हो, इनसे नीचे तक संदेश जाता है।स्थान राष्ट्रपति भवन, साल 2009 की गर्मियां। मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण चल रहा था। मंत्रियों

के शपथ लेते ही तालियां बजतीं, और थम जातीं। इसी बीच एक युवा?नेता के?शपथ वाले शब्द जैसे ही थमे...राष्ट्रपति भवन तालियों से गूंज उठा। बाकी मंत्रियों की तुलना में इस बार ताली कुछ ज्यादा तेज और देर तक बजी। वह युवा मंत्री थीं अगाथा संगमा। मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष पी.ए. संगमा की बेटी अगाथा संगमा की ओर मेहमानों का ध्यान खिंचने की वजह बनी उनकी हिंदी। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि अगाथा पूर्वोत्तर की नेता थीं और तब शपथ ग्रहण में अंग्रेजी का बोलबाला रहता था। हिंदी भाषी क्षेत्रों के पढ़े-लिखे ज्यादातर नेताओं के लिए हिंदी में शपथ लेना हेठी समझी जाती थी। लेकिन मोदी सरकार में हालात बदल गए हैं। बीते नौ जून की शाम को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 55 मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली। स्वतंत्र भारत के इतिहास में शायद यह पहला शपथ ग्रहण था, जिसमें दो तिहाई मंत्रियों ने हिंदी में राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के निर्वहन का संकल्प लिया। हिंदी के प्रति मोदी सरकार का अनुराग ऐसा मुद्दा है, जिसकी आलोचना उसके कट्टर विरोधी भी नहीं कर सकते। चूंकि शीर्ष नेतृत्व का ज्यादातर हिस्सा हिंदी बोलने-लिखने में सहज है, लिहाजा पहले की तुलना में हिंदी का महत्व मोदी सरकार में बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी हों या गृहमंत्री अमित शाह या फिर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों बड़े नेताओं की प्राथमिक भाषा हिंदी ही है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी हिंदी में ज्यादा सहज हैं। नितिन गडकरी मराठी, हिंदी और अंग्रेजी, तीनों में सहज हैं। भारतीय भाषाओं में सहज ज्यादातर नेताओं की कामकाज की भाषा चूंकि हिंदी है, शायद इसलिए शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने हिंदी को ही तवज्जो दिया। दो सौ साल के अंग्रेजी राज और 160 साल के अंग्रेजी शिक्षण के चलते भारत ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है, जहां अंग्रेजी को नकारा नहीं जा सकता। बेशक आजाद भारत के शुरुआती नेतृत्व ने क्षेत्रीय भाषाओं और हिंदी को बढ़ावा देने की बात की, लेकिन उसमें बढ़ावा देने की औपचारिकता ज्यादा थी, व्यवहारिकता कम। इसी कारण स्वाधीन भारत के सामाजिक और व्यवस्थागत जीवन में भारतीय भाषाओं के मुकाबले अंग्रेजी का वर्चस्व बढ़ा। उदारीकरण के बाद जब पश्चिमी आर्थिक हस्तक्षेप बढ़ा, कॉरपोरेटीकरण भारतीय विकास की समानांतर व्यवस्था बना, तो भारतीय भाषाओं के मुकाबले अंग्रेजी का वर्चस्व फिर से बढ़ने लगा। इसका असर हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन के साथ ही नौकरशाही में भी दिखा।?ऐसे माहौल में नरेंद्र मोदी का उभार हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के लिए उम्मीद की नई रोशनी बनकर आया। हिंदी का नौकरशाही में व्यवहार बढ़ा। शासन के शीर्ष के ज्यादा संपर्क में आने वाली नौकरशाही भी हिंदी सीखने को आतुर दिखती है। इन पंक्तियों के लेखक से एक दिन एक शीर्ष नौकरशाह ने हिंदी सिखाने की अपील की। भारतीय भाषाओं और हिंदी के प्रति सरकारी तंत्र में आए इस सकारात्मक बदलाव का ही असर कहा जाएगा कि नई शिक्षा नीति में भी प्राथमिक स्तर की पढ़ाई के माध्यम के लिए हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं की वकालत की गई है। ज्यादातर मंत्रियों का हिंदी में शपथ लेना हो या तंत्र के शीर्ष का हिंदी में बढ़ता व्यवहार हो, इनसे नीचे तक संदेश जाता है। संघ लोक सेवा आयोग ने शीर्ष नौकरशाही के चयन की जो व्यवस्था स्वीकार की है, उसमें भारतीय भाषाओं और हिंदी माध्यम की पढ़ाई के छात्रों की सफलता दर बेहद कम है। इसलिए अब भी नौकरशाही में अंग्रेजी का बोलबाला बना हुआ है। ऐसे नौकरशाह लोकभाषाओं में काम करने में सहज नहीं है। आज भी नौकरशाही के स्तर पर बुनियादी सोच से लोकभाषाएं गायब है। चिंतन हो या नीति निर्माण, अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। शायद यही वजह है कि अब भी अंग्रेजी को श्रेष्ठि और नागर समाज की भाषा माना जाता है। ऐसे माहौल में भी अगर 55 मंत्री हिंदी में शपथ लेते हैं, तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। हिंदी में शपथ सामान्य जन को भारतीय भाषाओं के प्रति सस्नेह और सम्मान के लिए प्रेरित तो करती ही है, उन्हें भारत की सांस्कृतिक और भाषायी विरासत से प्यार करना भी सिखाती है।

बच्चों में खर्च के साथ बचत की डालें आदत, छोटी गतिविधियों का रखें हिसाब-किताब

बच्चों को पैसों के प्रति गलत धारणा से बचाने और उन्हें जागरूक बनाने की शुरुआत जल्द करनी चाहिए।?इससे बच्चों को उस धारणा से बाहर आने में मदद मिलती है कि पैसे सीधे एटीएम से आता है। बच्चों को वित्तीय साक्षरता के

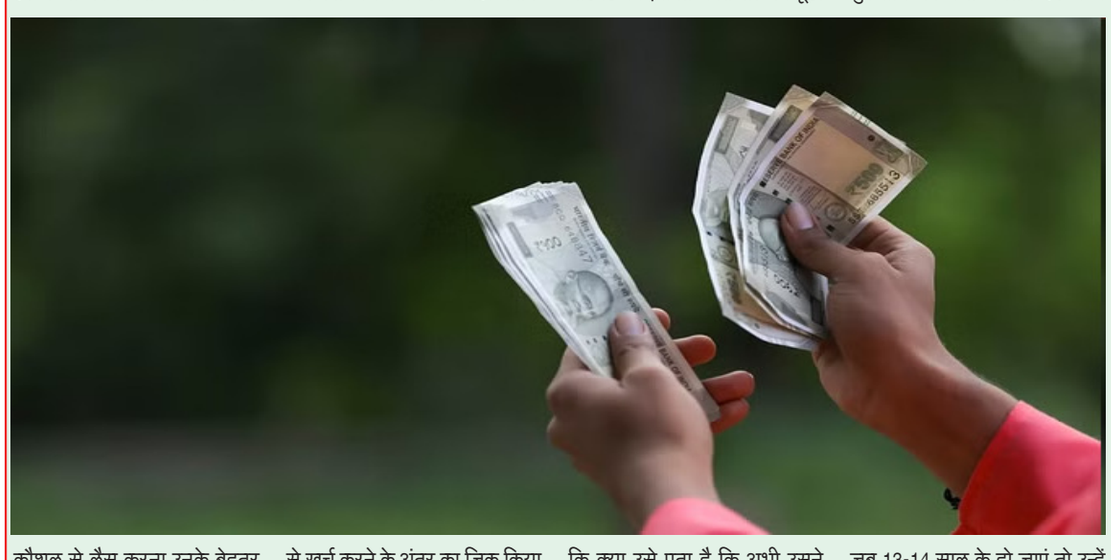

कौशल से लैस करना उनके बेहतर भविष्य के लिए?निवेश की तरह है। हर माता-पिता को यह करना चाहिए। बच्चों में पैसे खर्च करने के साथ बजट बनाने और बचत करने की समझ पैदा करनी चाहिए। इससे हम उन्हें भविष्य में वित्तीय रूप से मजबूत बना सकते है। बच्चों को पैसों के प्रति गलत धारणा से बचाने और उन्हें जागरूक बनाने की शुरुआत जल्द करनी चाहिए।?इससे बच्चों को उस धारणा से बाहर आने में मदद मिलती है कि पैसे सीधे एटीएम से आता है। शिखा दिल खोलकर बात करने वाली बच्ची निकली और वह मुझसे यह समझना चाहती है कि पैसे को सही तरीके से कैसे खर्च किया जाए। उसने जब पैसे खर्च करने और सही तरीके से खर्च करने के अंतर का जिक्र किया तो मैं हैरान रह गया, क्योंकि बच्चे अक्सर खर्च करने से खुश होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि, उन्हें पैसे बचाने या कमाने के बारे में बहुत कम समझ होती है। इसलिए, मैंने उससे पूछा कि सही तरीके से खर्च करने का क्या मतलब है। उसने बताया कि उसे अपने जन्मदिन पर दादा-दादी से पैसा मिला था, जो एक हफ्ते में खत्म हो गया। 350 रुपये के एक पेंसिल बॉक्स को छोड़कर उसके पास दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है कि उसने 1,000 रुपये का क्या किया। हमारी चर्चा इस बात से शुरू हुई कि एक नोटबुक रखना कितना जरूरी है, जिसमें बताया जाए कि आप कहां-कहां पैसे खर्च कर रहे हैं। शिखा ने नोटपैड पर इसे लिख लिया। मैंने पूछा कि क्या उसे पता है कि अभी उसने जो आइसक्रीम खाई थी, उसकी कीमत कितनी थी? उसने कहा, 20 रुपये। उसे स्कूल फीस, आर्ट क्लास फीस, घर पर नौकरानी और कार की सफाई करने वाले को दिए जाने वाले पैसे की भी जानकारी थी। छोटी गतिविधियों का रखें हिसाब-किताब ये सभी छोटी-छोटी नियमित गतिविधियां है, जो किसी भी घर का हिस्सा होती है। बच्चों को इनके बारे में जानकारी देना अच्छा विचार है। 7-8 साल की उम्र से बच्चों पर भरोसा किया जा सकता है कि वे स्कूल कैंटीन या स्टेशनरी की दुकान पर चीजें खरीदने के लिए छोटी रकम खर्च करें। इस तरह, वे उन पर सौंपी गई जिम्मेदारी की सराहना करेंगे। उन्हें यह एहसास भी कराएं कि नुकसान का क्या मतलब है। बच्चे जब 13-14 साल के हो जाएं तो उन्हें अपना बजट खुद बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। बैंक खाता खोलने और उन्हें इस्तेमाल करने के लिए कम सीमा वाले डेबिट कार्ड भी दें। इससे उन्हें कुछ वित्तीय स्वतंत्रता मिलेगी। वित्तीय स्वतंत्रता में जिम्मेदारी भी करें शामिल वित्तीय स्वतंत्रता में जिम्मेदारी शामिल होनी चाहिए। यानी बच्चों में खर्च करने के साथ?पैसे बचाने की आदत डालें। उन्हें तोल-मोल करने में सक्षम बनाएं। याद रखें, अब तक वे केवल खर्च करने के लिए पैसे देख रहे थे। अब वे इसे अलग नजरिये से देखेंगे, जिसमें पैसे कमाना भी शामिल है। उन्हें अपनी हर इच्छा के लिए भुगतान करने के बजाय अपनी कमाई से अपनी कुछ जरूरतें पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक सतत प्रक्रिया है वित्तीय साक्षरता याद रखें कि वित्तीय साक्षरता सिखाना एक सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों के बड़े होने और उनकी समझ के गहरा होने के साथ विकसित होती है। इन रणनीतियों को लागू करके, हम अपने बच्चों को वित्तीय रूप से सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के लिए एक ठोस आधार देने में मदद कर सकते है। इसलिए, शुरुआत करें और उनके बड़े होने पर भी इसे जारी रखें। निवेश के फैसलों में बच्चों को करें शामिल बच्चे जब 16-17 साल के हो जाते है तो उन्हें निवेश पर परिवार के फैसलों में भी शामिल किया जा सकता है। इस बात पर भी चर्चा की जा सकती है कि आपकी कमाई कैसे होती है और आप इसका क्या करते है। उन्हें महत्वपूर्ण खर्चों पर पारिवारिक चर्चाओं का हिस्सा बनाएं। जैसे छुट्टियां बिताना, कार खरीदना आदि। यह बच्चों के शिक्षा के खर्चों के बारे में जानने का भी अच्छा समय है कि पैसे कमाने व जीवन जीने के लिए किसी पेशे या करियर के लिए शिक्षा क्यों महत्वपूर्ण है। इस चरण में आप उनकी ओर से तब निवेश शुरू कर सकते हैं, जब वे 18 वर्ष से कम उम्र के हों और कमाना शुरू करें। उन्हें खुद इसका प्रबंधन करने दें। वे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन शुरू करेंगे, उनके वित्तीय रूप से सुरक्षित होने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी।

स्पोर्ट्स

जीत का चौका लगाने पर होगी भारतीय टीम की नजर

सुपर-8 के मुकाबले से पहले अफगानिस्तान को लगा बड़ा झटका, यह स्टार स्पिनर चोट के चलते हुआ टूर्नामेंट से बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में जगह बना चुकी अफगानिस्तान की टीम को बड़ा झटका लगा है। अंगुली में लगी चोट के चलते स्पिनर मुजीब-उर-रहमान टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अफगानिस्तान ने आईसीसी की सहमति से हजरतुल्लाह जजई को बाकी बचे हुए मैचों के लिए टीम में जगह दी ह अफगानिस्तान के रहस्यमयी स्पिनर मुजीब-उर-रहमान अंगुली की चोट के दोबारा उभरने के कारण मौजूदा आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के बाकी मैचों से

बाहर हो गए हैं। उनकी जगह हजरतुल्लाह जजई को टीम में जगह दी गई है। अफगानिस्तान पहले ही टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर चुका है। उन्होंने टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में युगांडा न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी को हराया। गौरतलब हो कि अफगानिस्तान के रहस्मयी स्पिनर मुजीब-उर-रहमान को बहुत पहले अंगुली में चोट लगी थी। इसके चलते वह आईपीएल के 17वें सीजन में हिस्सा नहीं ले सके थे। हालांकि, ठीक होने के बाद उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए अफगानिस्तान टीम में जगह दी गई थी। यह चोट अब दोबारा उभर आई है। इसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा मुजीब-उर-रहमान ने युगांडा के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच एकमात्र मैच खेला। पापुआ न्यू गिनी और अफगानिस्तान के खिलाफ वह चोट के चलते बाहर रहे। अफगानिस्तान ने आईसीसी की तकनीकी समिति से अनुमोदन के बाद हजरतुल्लाह जजई को टीम में शामिल किया है। जजई अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। मुजीब के चोटिल होने पर नूर अहमद ने स्पिन की जिम्मेदारी संभाली है। ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में तीन लगातार जीत दर्ज कर सुपर-8 में जगह बना ली है। अफगानिस्तान ने टी20 क्रिकेट में इतिहास रचते हुए न्यूजीलैंड को पहली बार हराया था। यह इस वर्ल्ड कप सीजन के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक रहा। इस हार से न्यूजीलैंड का सुपर-8 में पहुंचने का सपना धुंधला हो पड़ गया था। इसके बाद पीएनजी के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत से न्यूजीलैंड का सपना चकनाचूर हो गया।

बोल्ट-साउदी की जुगलबंदी से न्यूजीलैंड ने जीती सम्मान की लड़ाई, युगांडा को 9 विकेट से मात देकर दर्ज की पहली जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूजीलैंड शनिवार को अपना सम्मान बचाने के लिए युगांडा के खिलाफ उतरा। ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की जुगलबंदी से न्यूजीलैंड ने यह लड़ाई अपने नाम की। इसमें स्पिनर्स ने भी अहम भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड ने युगांडा को 9 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी पहली जीत भी दर्ज की। टॉस हारने के बाद युगांडा को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता मिला। ट्रेंट बोल्ट ने अपने चिर-परिचित अंदाज में

गेंदबाजी की और पहले ही ओवर में टीम को दो सफलताएं दिलाई। इसके बाद साउदी ने इस कारवां को आगे बढ़ाया। इसमें मिचेल सैंटनर का भी साथ मिला। युगांडा ने पहले 10 ओवर में 5 विकेट खोकर 21 रन बनाए। युगांडा के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। तीन बल्लेबाज तो अपना खाता तक नहीं खोल सके। युगांडा के लिए सर्वाधिक रन केनेथ वैसवा ने बनाए। वह 11 रन बनाकर लॉकी फर्ग्युसन का शिकार बने। युगांडा की पूरी टीम 18.4 ओवर में मात्र 40 रन बनाकर सिमट गई। टिम साउदी ने चार ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर और रचिन रवींद्र को दो-दो विकेट मिले। किसी भी गेंदबाज ने 10 रन तक नहीं खर्च किए युगांडा के मिले 41 रन के लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। फिन ऐलन 9 रन बनाकर रियाजत अली शाह का शिकार बने। डेवोन कॉन्वे ने नाबाद 22 तो रचिन रवींद्र ने नाबाद 1 रन बनाए। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूजीलैंड की यह पहली जीत है। वह पहले ही वर्ल्ड कप के सुपर-8 से बाहर हो गई है। न्यूजीलैंड सम्मान की लड़ाई जीतकर टूर्नामेंट से विदा लेगी।

सामने आई अजय जडेजा की दरियादिली, काम करने के बाद भी नहीं लिया एक भी पैसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर अजय जडेजा ने आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के दौरान अफगानिस्तान

को मेंटर (मार्गदर्शक) के तौर पर दी गई सेवाओं के लिए कोई भी राशि लेने से इन्कार कर दिया था। यह जानकारी देश के क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नसीब खान ने दी। अफगानिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उसने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। इसमें अजय जडेजा का अहम रोल रहा था। अजय भारत के पूर्व कप्तान हैं और देश के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। जडेजा ने तकरीबन तीन महीने तक अफगानिस्तान के साथ काम किया था लेकिन इसकी फीस नहीं ली। अफगानिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उसने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। इसमें अजय जडेजा का अहम रोल रहा था। अजय भारत के पूर्व कप्तान हैं और देश के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। जडेजा ने तकरीबन तीन महीने तक अफगानिस्तान के साथ काम किया था, लेकिन इसकी फीस नहीं ली। अफगानिस्तान ने इस विश्व कप में पूर्व चैंपियन इंग्लैंड और पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश को भी हराया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इसके लिए कई बार जोर दिया लेकिन हर बार जडेजा ने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया। खान ने कहा, 'हमने कई बार आग्रह किया लेकिन जडेजा ने वनडे विश्व कप के दौरान अपनी सेवाओं के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से कोई पैसा लेने से इन्कार कर दिया। देखा जाए तो इस काम के जडेजा को लाखों रुपये मिल सकते थे लेकिन उन्होंने इन पैसों को ठुकरा दिया, वो भी तब जब बोर्ड ने उनसे कई बार फीस लेने की अपील की।

जीत का चौका लगाने पर होगी भारतीय टीम की नजर, जानें कब, कहां और कैसे फ्री में देखें मुकाबला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वल्ड कप 2024में आज भारतीय टीम की नजर जीत का चौका लगाने पर होगी। टूर्नामेंट के 30वें मुकाबले में भारतीय टीम कनाडा से भिड़ने के लिए तैयार है। यह मैच फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड

रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने अब तक हार का स्वाद नहीं चखा है। ऐसे में आज मैन इन ब्लू की कोशिश जीत दर्ज कर सुपर 8 का आगाज करने पर होगी। टी20 विश्व कप 2024 के 33वें मुकाबले में शनिवार को भारतीय टीम का सामना कनाडा से होगा। यह मैच फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में दोनों ही टीमों का यह आखिरी मुकाबला है। ऐसे में इस मैच की लाइव स?ट्रीमिंग के बारे में जानते हैं। टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में आयरलैंड को 8 विकेट से रौंदा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम ने लो स?कोरिंग मुकाबले में पाकिस?तान को 6 रन से मात दी थी। इसके बाद अपने पिछले मैच में रोहित शर्मा की सेना ने मेजबान अमेरिका को 7 विकेट से पटखनी दी थी। अब टीम की कोशिश लगातार चौथी जीत अपने नाम करने पर है। आइए जानते हैं कि कनाडा के खिलाफ मैच कब और कहां खेला जाएगा। साथ ही फैंस इस मैच को फ्री में कैसे देख सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और कनाडा के बीच मैच शनिवार, 15 जून को रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार) से खेला जाएग। साथ ही टॉस 7:30 बजे होगा। टी20 वर?ड कप 2024 में भारत और कनाडा का मैच फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला जाएगा। टी20 वर?ड कप 2024 के प्रसारण राइट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास हैं। ऐसे में स्टार नेटवर्क के अलग-अलग चैनल पर इस मैच को लाइव देखा जा सकता है। इसके अलावा दूरदर्शन पर यह मैच फ्री में भी देखा जा सकता है। साथ ही मैच की लाइव स्ट्रीमिंग डिजनेहॉटस्टार पर उपलब्ध है। इतना ही नहीं क्रिकेट प्रेमी दैनिक जागरण पर मैच की लाइव अपडेट और मुकाबले से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्?त कर सकते हैं।

सुपर-8 में जगह पक्की करने के बाद अमेरिका ने किया एक और कमाल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए किया सीधे क्वालीफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में शुक्रवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। बारिश के चलते अमेरिका और आयरलैंड का मैच रद्द हो गया। इससे एक अंक लेकर अमेरिका ने सुपर-8 में जगह पक्की कर ली और पाकिस्तान बाहर हो गया। यही नहीं सुपर-8 में जगह पक्की करने के बाद यूएसए ने टूर्नामेंट के 2026 संस्करण के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में शुक्रवार को बारिश के चलते आयरलैंड और अमेरिका का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच रद्द हो गया। मैच रद्द होने से अमेरिकी टीम को फायदा हुआ और वह पांच अंक के साथ सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर गई। वहीं पाकिस्तान की उम्मीदों को करारा झटका लगा और टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। अमेरिका ने साल 2026 टी20 वर्ल्ड के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। दोनों टीमें इस बड़े आयोजन की मेजबानी करने के कारण सीधे टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर-8 में शामिल सात अन्य टीमें सीधे टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। 30 जून, 2024 तक घ्ण्ण् ऊ20घ् रैंकिंग में सवीच्च स्थान पर रहने वाली तीन टीमें टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। आईसीसी के अनुसार, टॉप 8 में आने वाली टीमों को टूर्नामेंट के अगले संस्करण के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा। टूर्नामेंट में 20 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से 12 को सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा और आठ टीमों का फैसला क्वालीफायर के जरिए किया जाएगा। शुक्रवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड के खिलाफ अंतिम ग्रुप चरण का मैच बारिश के कारण रद्द हो जाने के बाद अमेरिका ने सुपर-8 में जगह बनाई।

साउथ अफ्रीका ने मैच तो नेपाल ने जीता दिल, रोमांचक मुकाबले में खाई 1 रन से मात; बॉलिंग-बैटिंग में दिखाया दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 31वें मैच में सुपर-8 में पहले ही जगह बना चुकी साउथ अफ्रीका और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया। साउथ अफ्रीका ने आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन से मुकाबला जीत लिया। नेपाल ने बड़ी टीम के सामने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी का जौहर दिखाया। अपने प्रदर्शन से स्टेडियम में मौजूद सभी फैंस का दिल जीत ले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 31वें मैच में साउथ अफ्रीका ने नेपाल को 1 रन से मात दी। रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल के सामने 116 रन का लक्ष्य रखा था। कुशल भुर्तेल ने चार तो दीपेंद्र सिंह ने तीन विकेट हासिल किए। इसके जवाब में नेपाल 20 ओवर में 7 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। तबरेज शम्सी ने चार विकेट चटकाए नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डिकॉक ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई चाही, लेकिन चौथे ओवर में डिकॉक 10 रन बनाकर आउट हो गए। साउथ अफ्रीका ने पहले पावर्प्ले में एक विकेट के नुकसान पर 38 रन बनाए। मिडिल ओवर में नेपाल ने कसी हुई गेंदबाजी की और बड़े शॉट खेलने के लिए झटपटा रहे कप्तान ऐडन मार्करम को भुर्तेल ने 15 के निजी स्कोर पर आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। मिडिल ओवर में नेपाल की गेंदबाजी के आगे साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज बड़े शॉट नहीं खेल पाए। इस फेज में कुल 42 रन बने और दो विकेट गिरे। हेनरिक क्लासेन मात्र 3 रन बनाकर आउट हुए। रीजा हेंड्रिक्स ने एक छोर संभाले रखा। डेथ ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स का साथ उन्हें थोड़ी देर के लिए मिला। हालांकि, डेथ ओवर का मुकाबला नेपाल टीम ने जीता। साउथ अफ्रीका ने डेथ ओवर में कुल 35 रन बनाए और चार विकेट खो दिए। हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन की पारी खेला नेपाल की तरफ से कुशल भुर्तेल ने चार ओवर में मात्र 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। वहीं, दीपेंद्र सिंह ऐरी ने चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट हासिल की। नेपाल की दमदार गेंदबाजी के आगे साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 7 विकेट पर 115 रन ही बना सकी लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने धीमी, लेकिन सधी हुई शुरुआत की। पहले पावर्प्ले में बिना विकेट गंवाए नेपाल ने 32 रन बनाए। आसिफ शेख और कुशल भुर्तेल के बीच पहले विकेट लिए 35 रन की साझेदारी हुई। कुशल भुर्तेल 13 रन बनाकर तबरेज शम्सी का शिकार बने। कप्तान रोहित पॉडेल

बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। मिडिल ओवर में नेपाल ने 59 रन बनाए और तीन विकेट गंवा दिए। तबरेज शम्सी ने एक ही ओवर में दो विकेट चटकाए डेथ ओवर में नेपाल पीछे रह गया। यहां भी तबरेज शम्सी ने एक ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर साउथ अफ्रीका की वापसी कराई। शम्सी ने पहले सेट बल्लेबाज आसिफ शेख को 42 के निजी स्कोर पर आउट किया उसके बाद दिपेंद्र सिंह ऐरी का विकेट चटकाया। नेपाल को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। 19वें ओवर में 8 रन बना। आखिरी ओवर में गुलशन झा ने छह रन बटोरे और आखिरी गेंद पर वह आउट हो गए। नेपाल 20 ओवर में 7 विकेट पर 114 रन ही बना सका। शम्सी ने चार विकेट चटकाए और इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। मैच भले ही साउथ अफ्रीका ने जीता, लेकिन अपने प्रदर्शन से दिल तो नेपाल जीत ले गया।

राशिफल

मेष-: स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-: आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-: जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ` से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-: खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अड़ियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

विराट कोहली को मिला धोनी के इस चेले का साथ

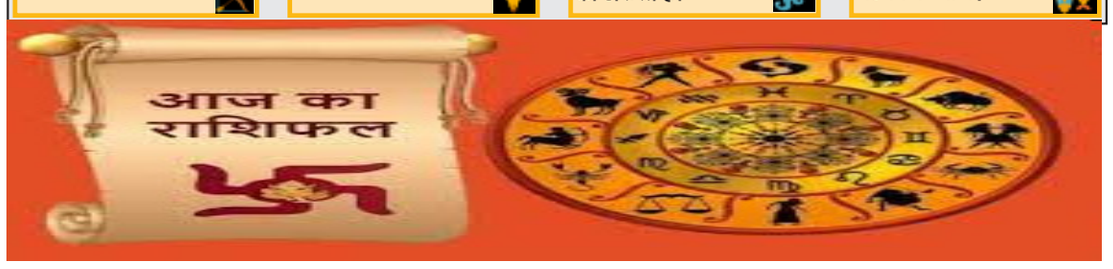

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अब तक विराट कोहली का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान ने 3 मुकाबलों में 5 रन बनाए हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर विराट की काफी आलोचना भी हो रही है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में विराट कोहली ने 3 मुकाबलों में 5 रन बनाए हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर विराट की काफी आलोचना भी हो रही है। हालांकि इस बीच भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे विराट कोहली के सपोर्ट में आ गए हैं। मीडिया से बातचीत में दुबे ने कहा कि धीमी शुरुआत के बाद भी कोहली की फॉर्म चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, इस बीच भारतीय ऑलराउंडर और चेन्नई सुपर किंग्स के प्लेयर शिवम दुबे विराट कोहली के सपोर्ट में आ गए हैं। दुबे का कहना है कि विराट कोहली आलोचकों को चुप कराने में ज्यादा समय नहीं लेंगे। जल्द ही उनका बल्ला आग उगलेगा। विराट कोहली ने आईपीएल 2024 में ओपनिंग की थी। इस दौरान उन्होंने 15 मैच की 15 पारियों में 61.75 की औसत और 154.69 की स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए थे। 17वें सीजन में विराट ने 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाया था। ऐसे में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में विराट पारी का आगाज कर रहे हैं।

गौतम गंभीर ने कोच बनने से पहले ही दे दिए बड़े बदलाव के संकेत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने यो-यो टेस्ट पर सवाल उठाए हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए केवल फिटनेस ही एक पैमाना नहीं होना चाहिए। गौतम गंभीर टीम इंडिया के अगले हेड कोच भी हो सकते हैं। तो ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि अगर गंभीर मुख्य कोच बनते है तो क्या यो-यो टेस्ट का नियम बदल जाएगा। टी20 विश्व कप 2024 के बाद वर्तमान हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। गंभीर ने स्पोर्ट्सकीड़ा से बातचीत में कहा, फिटनेस एक फैक्टर होना चाहिए, लेकिन मैं इस बात से भी सहमत नहीं हूं कि फिट कहलाने के लिए हमें फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। फिटनेस का सीधा संबंध ट्रेनर से

होना चाहिए। अगर किसी ट्रेनर को लगता है कि आप पर्याप्त फिट हैं। कुछ लोग शारीरिक रूप से इतने मजबूत होते हैं कि वे जिम में बहुत अधिक वजन उठा सकते हैं।गौतम गंभीर भारतीय टीम के हेड कोच बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। इस बीच उन्होंने यो-यो टेस्ट पर सवाल उठाए हैं। गंभीर ने कहा कि टीम में जगह बनाने के लिए केवल फिटनेस ही एक पैमाना नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यो-यो टेस्ट के कारण अगर किसी खिलाड़ी का टीम में सिलेक्शन नहीं होता है तो यह मुझे नहीं लगता कि यह तरीका सही है।गंभीर ने कहा, यो-यो टेस्ट के कारण अगर किसी खिलाड़ी का टीम में सिलेक्शन नहीं होता है तो यह मुझे नहीं लगता कि यह तरीका सही है। आप प्लेयर्स को उनके टैलेंट, उनकी बैटिंग स्किल, उनकी बॉलिंग स्किल के आधार पर चुनते हैं। यह ट्रेनर का काम है उनकी फिटनेस पर काम करते रहना और उन्हें शारीरिक रूप से भी बेहतर बनाते रहना।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!
HOSTEL FACILITY
★ AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
★ Quality food
★ Personal care
★ 24/7 power backup
★ Special tuition classes for hostelers
★ Free health checkup per month.
★ Infirmary faciliti is also available
★ Well equipped laboratories and digital Library
पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट
Admissions OPEN
PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)
SCHOOL FACILITIES
★ Affordable fee & High-tech infrastructure.
★ Spacious and colorful classrooms.
★ Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
★ Free personality development.
★ English spoken classes for each student.
★ RO water and CCTV facilities.
★ Pick and drop facilities with full safety.
★ Trained PE Teacher along with
★ Spacious playground
Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

सीएम योगी ने कहा- 'चलो जाओ अंदर' आवाज सुनते ही बाड़े में चला गया बब्बर शेर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (गोरखपुर चिड़ियाघर) में बब्बर शेर भरत और शेरनी गौरी को बाड़े में प्रवेश कराया। इन दोनों को मई माह के अंतिम सप्ताह में इटावा लायन सफारी से यहां लाया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा इन्हें बाड़े में छोड़े जाने के बाद अब चिड़ियाघर आने वाले दर्शक बब्बर शेर की इस जोड़ी का दीदार कर सकेंगे। इसके पहले दो जून को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चिड़ियाघर का भ्रमण करने आए थे, तब उन्होंने बब्बर शेर पांच साल के भरत और शेरनी गौरी को देखने के साथ उनके बारे में जानकारी ली थी। गोरखपुर चिड़ियाघर से सीएम योगी को बहुत लगाव हैं, जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह यहां वन्यजीवों को देखने और उनके देखभाल की जानकारी लेने आते हैं। शनिवार को वह बब्बर शेर की जोड़ी भरत और गौरी को बाड़े में छोड़ने आए। मुख्यमंत्री के साथ वन एवं

पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना भी थे।जैसे ही सीएम ने क्रॉल का गेट खोलकर यह कहा कि चलो जाओ, बब्बर शेर दौड़ते हुए बाड़े में चला गया। मुख्यमंत्री ने यहां चिड़ियाघर के निदेशक एवं डीएफओ विकास यादव से दोनों शेरों के बारे में जानकारी ली। शेर के बाड़े के समीप हरिशंकरी पौधे का रोपण कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने यहां तैल चित्रों का भी अवलोकन किया। हरि-गौरी की खिलाया चारा, बिल्लू को आइसक्रीम और शहद सीएम योगी ने चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए निरीक्षण भी किया। इस दौरान भ्रमण करते हुए सीएम योगी गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी के बाड़े के पास पहुंचे और अपने हाथों से दोनों को चारा खिलाया। गैंडों की यह जोड़ी मुख्यमंत्री को काफी प्रिय है और इसके पहले 2 जून को वह यहां आकर उन्हें केले खिला चुके हैं।भ्रमण के दौरान सीएम योगी हिमालयन भालू बिल्लू के बाड़े पर भी पहुंचे। उसे आवाज देकर बुलाया। गर्मी से परेशान इस भालू को उन्होंने आइसक्रीम, बर्फ का गोला और शहद खिलाया। हरि-गौरी और बिल्लू के बाड़े के पास सीएम ने कुल मिलाकर करीब 12 मिनट का वक्त बिताया। उन्होंने चिड़ियाघर के अन्य वन्यजीवों के बाड़ों का भी अवलोकन किया। चिड़ियाघर भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने लखीमपुर के जंगल से रेस्क्यू कर लाए गए बाघ का नामकरण किया। बाघ का नाम उन्होंने शक्ति रखा। नामकरण के बाद बाड़े के अंदर यह बाघ काफी देर तक दहाड़ता रहा। चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आए वनटांगिया बस्ती, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जंगल तिकोनिया नम्बर तीन के बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें आशीर्वाद दिया। उन्हें चॉकलेट भी गिफ्ट की। इस दौरान उन्होंने अभिभावक जैसे बच्चों को समझाया कि चॉकलेट का रैपर या अन्य कूड़ा इधर उधर न फेंकें, डस्टबिन में ही डालें। गर्मी को देखते हुए खूब पानी पीते रहें। मुख्यमंत्री ने यहां लायन थीम पर फेस पेंटिंग कराए कुछ बच्चों से खूब हंसी ठिठोली की।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा0लि0 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज (उ.प्र.) 211008 से मुद्रित एवं सी- आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसा नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।